सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

ग्रामोदय इंटर कॉलेज गंगेश्वरी में संकुल स्तरीय योग प्रतियोगिता पेज: 3

अक्षरा सिंह ने आम्रपाली के बयानों पर दी प्रतिक्रिया पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 156 | गुरुवार 10 सितंबर 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

झारखंड की वोटर लिस्ट में मिले अफगान के तीन नागरिक

रांची (एजेंसी)। झारखंड में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। जमशेदपुर ईस्ट विधानसभा क्षेत्र की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में तीन अफगान नागरिकों के नाम पाए गए हैं, जिससे चुनाव अधिकारियों के बीच हड़कंप मच गया। दस्तावेजों की जांच के दौरान उनकी विदेशी पहचान सामने आने के बाद चुनाव अधिकारियों ने तुरंत मामले की विस्तृत जांच के आदेश दिए हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी के मुताबिक, आसिल खान, मोहम्मद असलम और मोहम्मद इब्राहिम नामक इन तीनों व्यक्तियों के नाम जमशेदपुर ईस्ट विधानसभा क्षेत्र की वोटर लिस्ट में दर्ज थे। इन तीनों ने गणना प्रक्रिया पूरी की थी और उनके नाम ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में भी शामिल हो गए थे। हालांकि, दस्तावेजों के सत्यापन के दौरान कुछ गड़बड़ी मिलने पर तीनों के नाम नोटिस लिस्ट में आए। चुनाव अधिकारियों की ओर से तीनों को नोटिस भेजकर जरूरी दस्तावेज उपलब्ध कराने को कहा गया, लेकिन वे वैध दस्तावेज पेश नहीं कर सके। इसके बाद उनके पासपोर्ट की गहन जांच की गई, जिसमें उनकी पहचान अफगान नागरिकों के तौर पर सामने आई। ये तीनों जमशेदपुर ईस्ट के पोलिंग स्टेशन नंबर 286 में क्रमशः 30, 31 और 33 नंबर पर दर्ज थे। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने बताया कि तीन विदेशी नागरिकों की पहचान हुई है। इनमें से एक की विदेशी नागरिकता की पुष्टि हो चुकी है, जबकि दो अन्य संदिग्ध हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि तीनों के नाम वोटर लिस्ट से हटा दिए गए हैं। रवि कुमार ने इस मामले को बेहद गंभीरता से लेते हुए विस्तृत जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने कहा कि यह भी पता लगाया जाएगा कि इन विदेशी नागरिकों के नाम वोटर लिस्ट में शामिल कराने में किसने मदद की। उन्होंने इसे एक आपराधिक गतिविधि बताया और कहा कि इसमें शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी आपराधिक कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों के मुताबिक, इन तीनों के परिवार के अन्य सदस्यों की भी जांच की जाएगी और उनके दस्तावेजों का सत्यापन कर उनकी वास्तविक नागरिकता और स्थिति का पता लगाया जाएगा। मामले में जमशेदपुर के डिप्टी कमिश्नर और एसएसपी को भी कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। जांच पूरी होने के बाद संबंधित अधिकारियों की ओर से उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने यह भी कहा कि राज्य में ऐसे अन्य विदेशी नागरिकों की भी पहचान की जाएगी, जिनके नाम वोटर लिस्ट में शामिल हो सकते हैं।

टेक्सटाइल मार्केट में लगी भीषण आग, 20 से ज्यादा गाड़ियां मौके पर तैनात

सूरत (एजेंसी)। सूरत के सरोली इलाके में स्थित श्याम संगिनी टेक्सटाइल मार्केट में भीषण आग लग गई है। आग बुझाने करीब 20-22 दमकल गाड़ियां तैनात की गईं। बचाव अधिकारियों के मुताबिक फायर कंट्रोल रूम को पहली इमरजेंसी कॉल रात करीब 12:52 बजे मिली, जिसके बाद पास के तीन फायर स्टेशनों से तुरंत दमकल गाड़ियां घटनास्थल पर भेजी गईं। इस घटना में अभी तक किसी के हताहत होने की कोई जानकारी नहीं मिली है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सूरत नगर निगम के मुख्य अग्निशमन अधिकारी ने बताया कि आग से प्रभावित मंजिलों की काफी ऊंचाई के कारण टर्नटेबल लैडर और हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म की मदद से आग बुझाने का काम किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि दमकलकर्मी धुएं से भरे परिसर में घुसने और प्रभावित मंजिलों तक पहुंचकर आग पर काबू पाने के लिए ब्रीदिंग अपैरेटस सेट का इस्तेमाल कर रहे हैं। आग की तीव्रता और दायरे को देखते हुए इसे मेजर फायर घोषित किया गया, जिसके बाद आग बुझाने और बचाव अभियान में मदद के लिए सूरत के अन्य इलाकों से अतिरिक्त दमकल गाड़ियां बुलाई गईं। सूरत नगर निगम के मुख्य अग्निशमन अधिकारी ने बताया कि आग से प्रभावित मंजिलों की काफी ऊंचाई के कारण टर्नटेबल लैडर और हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म की मदद से आग बुझाने का काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि टेक्सटाइल मार्केट में मंजिलें डबल-हाइट वाली हैं, जिसका मतलब है कि चौथी और पांचवीं मंजिलें असल में अपनी सामान्य ऊंचाई से कहीं ज्यादा ऊंचाई पर स्थित हैं। नतीजतन, दमकलकर्मियों को करीब 20 मीटर की ऊंचाई पर ऑपरेशन चलाना पड़ा।

गांव की लड़कियों से की शादी तो होगा बायकॉट, गुरुद्वारा सिंह सभा का फैसला

-गांव की लड़कियां शादी के लिए नहीं, बहन

जगराओं (एजेंसी)। पंजाब के रायकोट रोड स्थित रूबी गांव में प्रेम संबंधों को लेकर पंचायत और ग्रामीणों ने सख्त फैसला लिया है। गुरुद्वारा सिंह सभा में हुई बैठक में तय किया गया कि गांव का कोई युवक यदि गांव की ही लड़की को भगाकर ले जाता है या उससे शादी करता है, तो उसका सामाजिक बहिष्कार किया जाएगा। युवक के परिवार के खिलाफ भी बहिष्कार की कार्रवाई की बात कही गई है। पंचायत ने यह भी कहा कि लड़की को भगाने के बाद युवक या उसके परिवार ने आत्महत्या की कोशिश की, तो पंचायत, ग्रामीण, समाजसेवी संस्थाएं और खेल क्लब उनकी मदद नहीं करेंगे। पंचायत के अनुसार, यह फैसला फिलहाल रूबी गांव तक सीमित है। आसपास के गांवों में भी जल्द महापंचायत बुलाकर ऐसे फैसलों पर विचार किया जाएगा। पंचायत ने गांव की लड़कियों को बहन मानने की अपील की है।

सत्य निकेतन इलाके में गिरी इमारत से सटी बिल्डिंग को गिराने की कार्रवाई शुरु

-हादसे में 7 लोगों की मौत हुई थी, पुलिस ने इस मामले में की चौथी गिरफ्तारी

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली नगर निगम ने सत्य निकेतन इलाके में हादसे वाली इमारत से सटी बिल्डिंग को तोड़ना शुरू कर दिया है। 6 सितंबर को बिल्डिंग 'हॉस्टल डेज' ढहने के बाद अधिकारियों ने पड़ोस की इमारत को खतरनाक बताया था। मंगलवार को शुरू हुई कार्रवाई शाम तक चली, जो बुधवार सुबह फिर शुरू हो गई। इस बिल्डिंग में गर्ल्स पीजी चल रहा था। पड़ोस की इमारत गिरने के बाद इसे खाली कराया गया था। सत्या निकेतन में रविवार को गिरी इमारत में कम से कम 7 लोगों की मौत हुई थी और पांच लोग घायल हुए थे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इमारत गिरने के मामले में लेबर कॉन्ट्रैक्टर को उत्तर प्रदेश के कासगंज से पकड़ा गया है। यह इस मामले में चौथी गिरफ्तारी है। इससे पहले पीजी के मालिक हरिराम, उनकी पत्नी उर्मिला और बेटे महेश को पुलिस गिरफ्तार कर चुकी है। हॉस्टल डेज के पड़ोस में ही बने एक पीजी की कुछ स्टूडेंट्स ने अपने कमरे में आई दरारों का वीडियो बनाया था। दावा किया जा रहा है कि यह बिल्डिंग हॉस्टल डेज के ठीक पहले बना गर्ल्स हॉस्टल ही है। यहां रहने वाली दो छात्राओं ने हॉस्टल डेज में हुए हादसे से कुछ मिनट पहले अपने कमरे की दीवारों और छत की दरारों का वीडियो बनाया था। ये दोनों दिल्ली यूनिवर्सिटी की सेकेंड ईयर की छात्राएं हैं। वीडियो में कहा- लगता है गिरने वाली है।

सोमवार रात तीनों आरोपियों हरिराम बंसल, पत्नी उर्मिला और बेटे महेश को पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया गया। जस्टिस भव्य खराल ने हरिराम और उर्मिला को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में, जबकि महेश को 2 दिन की पुलिस हिरासत में भेजा है। पुलिस रिमांड के दौरान इमारत मालिक हरिराम गुप्ता के बेटे महेश गुप्ता ने जांच अधिकारी को बताया कि पीजी संचालित करने वाली कंपनी की शिकायत पर बेसमेंट में पानी भरने और सीलन की समस्या दूर करने के लिए मरम्मत करवाई जा रही थी। बेसमेंट से पानी निकालने के बाद निर्माण कार्य के दौरान पावर ट्रोवेल मशीन भी चलाई जा रही थी। आशंका है कि मशीन से पैदा हुई कंपन और कमजोर हुई संरचना के कारण भवन भरभराकर गिर गया। सत्य निकेतन पीजी हादसा मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया। मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और जस्टिस आर महादेवन की बेंच ने संकेत दिया कि वे इस मुद्दे को केवल दिल्ली तक सीमित नहीं रखेंगे, बल्कि देशभर में जर्जर और अवैध इमारतों की स्थिति की समीक्षा करेंगे। अगली सुनवाई 10 सितंबर को होगी। सुप्रीम कोर्ट पहले भी देशभर में अवैध इमारतों के खिलाफ दिशा-निर्देश जारी कर चुका है और अब उनके पालन की स्थिति की समीक्षा करना चाहता है। अदालत की टिप्पणी को भवन सुरक्षा के मुद्दे पर अहम माना जा रहा है।

मलबे में दबे छात्र ने किया फोन, भेजी लाइव लोकेशन फिर बची जान

-दोस्तों ने सत्य निकेतन पहुंचकर किया रेस्क्यू

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के सत्य निकेतन में पीजी बिल्डिंग गिरने की घटना ने हर किसी को झकझोर कर रख दिया है। इस दर्दनाक हादसे में सात लोगों की मौत हुई और कई घायल हुए, लेकिन एक घटना ऐसी भी सामने आई है जिसने उम्मीद की किरण जगाई। मलबे के नीचे दबे 19 वर्षीय छात्र नीरज बावा ने अपनी जान बचाने के लिए आखिरी दम तक हिम्मत नहीं हारी। उन्होंने मलबे के नीचे फंसे रहते हुए पहले अपने दोस्तों को फोन करके मदद मांगी और फिर अपनी लाइव लोकेशन उन्हें भेज दी। यही सूझबूझ उसके लिए अपनी जिंदगी बचाने की सबसे बड़ी उम्मीद बन गई। 19 साल के नीरज बावा पिछले कई दिनों से डीयू छात्रसंघ चुनाव के प्रचार में व्यस्त थे। लगातार 20 दिनों तक चुनाव अभियान में रहने के बाद रविवार को बारिश होने पर वह आखिरकार सत्य निकेतन स्थित अपने हॉस्टल डेज पीजी लौटे थे। जैसे ही वह कमरे में पहुंचे, कुछ ही पल में पूरी इमारत भरभराकर गिर गई और वह मलबे के नीचे दब गए। गनीमत यह रही कि मलबे में फंसे होने के बावजूद नीरज के पास उसका मोबाइल था। उन्होंने तुरंत अपने दोस्तों को फोन किया और कहा, 卐भैया, मुझे बचा लोज मैं यहां मर जाऊंगा।卐 इसके कुछ मिनट बाद उन्होंने अपनी लाइव लोकेशन भी भेज दी ताकि दोस्त सही जगह तक पहुंच सकें। नीरज का दोस्त विष्णु अपने साथियों के साथ तुरंत घटनास्थल पहुंचा।

बाढ़ पीड़ितों के बीच सांसद पप्पू यादव, व्यवस्था पर उठाए सवाल

पूर्णिया, एजेंसी।
निर्दलीय सांसद पप्पू यादव (राजेश रंजन) ने हाल ही में बिहार के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों, हाजीपुर और तेजस्वी यादव के विधानसभा क्षेत्र राघोपुर, का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने बाढ़ पीड़ितों से मुलाकात की, खुद खाना बनाया और आर्थिक सहायता भी वितरित की। उन्होंने बिहार सरकार की बाढ़ राहत व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल उठाए। हाजीपुर में मुख्यमंत्री के बाढ़ राहत शिविर का जायजा लेने के दौरान पप्पू यादव ने खाने की गुणवत्ता पर तंज कसा। शिविर में रह रहे लोगों ने शिकायत की कि उन्हें जली हुई दाल, कच्चा चना और चावल दिया जा रहा है, जो खाने लायक नहीं है। लोगों ने यह भी बताया कि नियमित मदद नहीं मिलती और व्यवस्थाएं केवल तब सुधरती हैं जब मुख्यमंत्री या कोई बड़ा अधिकारी दौरा करता है।
पप्पू यादव ने इसे सरकार का दिखावा करार देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के आने पर लाल कारपेट बिछ जाती है, लेकिन उनके जाते ही व्यवस्थाएं धड़ाम हो जाती हैं। उन्होंने हाजीपुर और राघोपुर दोनों जगह लोगों को पांच-पांच सौ रुपये बांटे और महिलाओं को सैनिटरी पैड भी वितरित किए। राघोपुर में पप्पू यादव ने खुद पूरी बनाकर बाढ़ पीड़ितों को खिलाई और वहीं रात्रि विश्राम भी किया, जिससे स्थानीय लोग काफी खुश नजर आए। सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि बाढ़ राहत शिविरों में व्यवस्थाएं एकदम लचर हैं। पैसे बांटने के सवाल पर उन्होंने कहा, मैं लंबे समय से लोगों के लिए पैसा बांट रहा हूं। बिहार के लोग मेरे भगवान हैं, दूसरे नेता मंदिर में दूध चढ़ाते हैं, मैं जनता की पूजा करता हूं और जनता को ही चढ़ाता हूं। उन्होंने बाढ़ को लेकर दिए गए बयानों पर भी प्रतिक्रिया दी। ललन सिंह के बयान पर पप्पू यादव ने ऐसे बयान देने वालों की संपत्ति की जांच की मांग की। प्रशांत किशोर के बाढ़ हर साल आता है जैसे सूरज उगता है वाले बयान पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा, प्रशांत किशोर नई नवेली दुल्हन हैं, जो सास से सीखकर बयानबाजी कर रहे हैं। सिर्फ राजनीतिक बयान देते हैं, जनता के बीच नजर नहीं आते।

तमिलनाडु में विजय थलपति की सरकार गिराने की तैयारी?

साथ आ रहे सारे विरोधी, बना रहे रणनीति

चेन्नई, एजेंसी।
चेन्नई में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के विरोधी दल उनकी तमिलागा वेत्री कझगम (टीवीके) सरकार के खिलाफ एकजुट होने की तैयारी कर रहे हैं। अन्ना द्रविड़ मुन्नेत्र कझगम (एआईएडीएमके) ने प्रमुख विपक्षी दल एमके स्टालिन की डीएमके को साथ आने का सीधा चैलेंज दिया है। एआईएडीएमके ने यह भी कहा है कि टीवीके के खिलाफ अन्य नई पार्टियां भी उनके साथ आ सकती हैं। हालांकि, इस चुनौती पर डीएमके की ओर से अब तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।
पूर्व मुख्यमंत्री एडापड्डी के. पलनीस्वामी से जब टीवीके के खिलाफ गठबंधन की संभावना के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा, हाँ, हम भी टीवीके के खिलाफ हैं। अगर कोई दूसरी पार्टी इसमें शामिल होना चाहती है, तो हम उनका स्वागत करेंगे। हमारा गठबंधन जैसा है, वैसा रहेगा, और अगर दूसरी पार्टियां आना चाहती हैं, तो वे शामिल हो सकती हैं। इस दौरान उन्होंने डीएमके को चुनौती देते हुए कहा, अगर नई पार्टियां हमारे साथ आना चाहती हैं, तो आ सकती हैं। क्या डीएमकेज क्या डीएमके आएगी? क्या आप यह सवाल पूछ सकते हैं? यह राजनीतिक सरगर्मी तब तेज हुई है, जब तमिलनाडु विधानसभा चुनाव खत्म होने के बाद एआईएडीएमके के छह विधायक टूटकर विजय की टीवीके में शामिल हो गए थे, और बचे हुए विधायक भी दो गुटों में बंट गए थे। हालांकि, डीएमके नेता आरएस भारती जून में दोनों दलों के साथ आने से इनकार कर चुके थे, लेकिन उन्होंने कहा था कि अगर डीएमके और एआईएडीएमके भविष्य में साथ आते हैं, तो इसमें कुछ भी गलत नहीं होगा। वहीं, अगस्त में स्टालिन ने कहा था कि उनकी पार्टी राजनीतिक वापसी करने में सक्षम है और वह पूरे राज्य में मतदाताओं का समर्थन फिर से हासिल करने पर ध्यान केंद्रित करेगी। उन्होंने विजय पर निशाना साधते हुए कहा था, वह (विजय) विधानसभा को फिल्म का सेट समझते हैं और डायलॉग बोलते हैं। इस बीच, टीवीके बुधवार को चेन्नई में सहयोगी दलों के साथ अपनी दूसरी समन्वय बैठक करेगी। हालांकि, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) ने इसमें शामिल होने से इनकार कर दिया है। कांग्रेस, वीसीके, आईयूएमएल और एमडीएमके के बैठक में शामिल होने की संभावना है। इस बैठक का उद्देश्य गठबंधन को औपचारिक रूप देना, साझा न्यूनतम कार्यक्रम तैयार करना, संचालन समिति गठित करना और

गठबंधन का आधिकारिक नाम तय करना है। हालांकि, 2029 के लोकसभा चुनाव में विजय को प्रधानमंत्री पद का संभावित चेहरा बनाए जाने की टीवीके नेताओं की मांग को लेकर कांग्रेस के साथ भी मतभेद सामने आए हैं, क्योंकि कांग्रेस राहुल गांधी को विपक्षी गठबंधन का प्रमुख चेहरा मानती है। टीवीके ने विजय फॉर पीएम की मांग को व्यक्तिगत राय करार दिया है।

झारखंड में लगातार 3 शिक्षा मंत्रियों का निधन , मौत के पीछे के कारणों की हो रही तलाश

रांची (एजेंसी)। झारखंड में शिक्षा मंत्री का पद अब राजनीति में प्रचलित अंधविश्वास की कहानियों में शुमार हो गया है। लगातार तीसरे शिक्षा मंत्री की असामयिक मौत ने इस पद को लेकर गंभीर चर्चा और आशंकाएं पैदा कर दी हैं। पहले जगरनाथ महतो, फिर रामदास सोरेन और अब सुदिव्य सोनू के निधन ने सबको सोचने पर मजबूर कर दिया है कि क्या इस पद के साथ कोई अशुभ जुड़ा है। हेमंत सोरेन ने 2019 में जब भाजपा से सत्ता छीनी, तो उनकी सरकार में 'टाइगर' नाम से मशहूर जगरनाथ महतो को शिक्षा मंत्री बनाया गया था। कोविड महामारी के समय उनके फेफड़े संक्रमित हुए और 6 अप्रैल 2023 को उनका निधन हो गया। जगरनाथ महतो के बाद रामदास सोरेन को शिक्षा मंत्रालय का दायित्व सौंपा गया, लेकिन साल भर में ही वे भी चल बसे। इन दो मौतों के बाद पद पर बैठाने की बारी आई तो तीसरे शिक्षा मंत्री सुदिव्य सोनू को बनाया गया, जो हेमंत सोरेन सरकार के संकटमोचक और जेएमएम में भरोसेमंद नेता माने जाते थे। हाल ही में 6 सितंबर 2026 को उनका भी निधन हो गया, जिसने इस पद के इर्द-गिर्द अंधविश्वास की कहानियों को और बल दे दिया है। यह सिर्फ झारखंड की बात नहीं, राजनीति में ऐसे कई अंधविश्वास प्रचलित हैं। बिहार में लालू यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव ने अपने मंत्री आवास (3, देशरत्न मार्ग) को 'भूतिया' बता दिया था, जब महागठबंधन सरकार गिरने के बाद 2018 में उन्हें मंत्री पद छोड़ना पड़ा। उनका आरोप था कि भाजपा और नीतीश कुमार ने इस आवास में भूत भेज दिए हैं। पटना में 39, हार्डिंग रोड और स्ट्रैंड रोड का बंगला नंबर 6 जैसे कई अन्य सरकारी आवासों के बारे में भी यही धारणा रही है कि यहां रहने वाले मंत्री अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पाते। उत्तर प्रदेश में भी नोएडा को लेकर राजनीतिकों के बीच ऐसा ही अंधविश्वास रहा कि जो भी मुख्यमंत्री वहां गया, उसकी कुर्सी चली गई। जून 1988 में वीर बहादुर सिंह, 1989 में एन.डी. तिवारी के बाद मुलायम सिंह यादव, मायावती और कल्याण सिंह के उदाहरण दिए जाते थे, जिनकी नोएडा दौरे के बाद सत्ता चली गई। इसी भय से 2012 से 2017 तक अखिलेश यादव मुख्यमंत्री रहते हुए नोएडा जाने की हिम्मत नहीं जुटा सके।

तिब्बत में तबाही की आहट: 2 घंटे में दो भूकंप, भारत में भी हिली धरती

नई दिल्ली, एजेंसी।
बुधवार की सुबह तिब्बत, नेपाल और भारत में भूकंप का असर दिखाई दिया है। बता दें कि नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी (एनसीएस) के अनुसार, आज सुबह ठीक 5 बजकर 33 मिनट पर धरती कांप उठी, जिसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.3 मापी गई और इसका केंद्र जमीन से लगभग 121 किलोमीटर की गहराई में था। इसके करीब दो घंटे बाद, सुबह 7 बजकर 23 मिनट पर एक बार फिर से झटके महसूस किए गए, जिसकी तीव्रता थोड़ी कम होकर 3.1 दर्ज की गई। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब 3 सितंबर, 2026 को भी तिब्बत क्षेत्र में 5.0 से 5.1 तीव्रता का एक वास्तविक भूकंप दर्ज किया गया था।
तिब्बत में हाल ही में ग्लेशियर टूटने की भयावह घटना के बाद, जहाँ बनी-बनाई इमारतें सेकंड्स में ढह गईं और 1200 से अधिक लोगों की मौत हुई थी, अब धरती

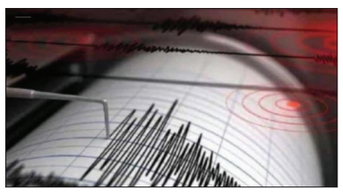

एक बार फिर कांप उठी है। आज सुबह तिब्बत क्षेत्र में दो घंटे के भीतर लगातार दो भूकंप के झटके महसूस किए गए, जिससे क्षेत्र में एक नई तबाही की आशंका गहरा गई है। इन झटकों का असर भारत के जम्मू-कश्मीर में भी महसूस किया गया, जहाँ रिक्टर स्केल पर 3.2 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया, जिसका केंद्र जमीन से 10 किलोमीटर नीचे था। हालांकि इन झटकों की तीव्रता कम थी, फिर भी स्थानीय लोगों में थोड़ी घबराहट फैल गई। तिब्बत के अलावा, नेपाल में भी 5 मैग्नीट्यूड से ऊपर का भूचाल आया, जिससे वहाँ के निवासियों की चिंता बढ़ गई है, खासकर जब वहाँ पहले से ही ग्लेशियर त्रासदी के बाद राहत कार्य चल रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि 3.2 से 4.5 तीव्रता के भूकंप आमतौर पर हल्के माने जाते हैं और इनसे दीवारों में दरारें आने जैसा हल्का नुकसान तो हो सकता है, लेकिन बड़े पैमाने पर तबाही की आशंका बहुत कम होती है। उल्लेखनीय है कि 26 अगस्त 2026 की सुबह तिब्बत और नेपाल की सीमा के पास एक ग्लेशियर टूटा था। इससे आए जोरदार झटके को शुरुआत में 5.2 तीव्रता का भूकंप समझा गया था, लेकिन बाद में वैज्ञानिकों ने स्पष्ट किया कि वह भूकंप नहीं बल्कि भारी मात्रा में बर्फ और चट्टानों के गिरने से पैदा हुआ कंपन था। इस आपदा के कारण नेपाल और तिब्बत के सीमाई इलाके में भोटे कोशी-त्रिशुली नदी घाटी में अचानक आई बाढ़ से भारी तबाही मची थी, जिसमें हजारों लोग प्रभावित हुए थे।

दिल्ली हादसे के बाद जम्मू की जर्जर इमारतों पर होने लगे सवाल

-असुरक्षित घोषित परिसर में चल रहे दर्जनों कारोबार, दुकानदार बोले- मजबूरी में काम करना पड़ रहा

जम्मू, एजेंसी।
दिल्ली के सत्य निकेतन में इमारत हादसे के बाद देशभर में असुरक्षित और अवैध निर्माण को लेकर सवाल उठ रहे हैं। इसी कड़ी में जम्मू के वेयरहाउस इलाके में ऐसी इमारतें सामने आई हैं, जिन्हें सरकार औपचारिक रूप से असुरक्षित घोषित कर चुकी है। इसके बावजूद इन इमारतों के ग्राउंड फ्लोर पर व्यापारिक प्रतिष्ठान चल रहे हैं।
शहर के बीच स्थित इन इमारतों में ऊपर की दो मंजिलों पर सरकारी क्वार्टर थे। प्रशासन ने इन्हें असुरक्षित घोषित करने के बाद यहां रह रहे लोगों को क्वार्टर खाली करने के निर्देश दिए। हालांकि, इन्हीं इमारतों के ग्राउंड फ्लोर पर चल रहे दर्जनों व्यापारिक प्रतिष्ठानों की स्थिति पर सवाल उठ रहे हैं। इन दुकानों में कई दर्जन लोग रोजाना काम करते हैं। दुकानदारों और वहां काम करने वाले लोगों का कहना है कि उन्हें इमारत की स्थिति को लेकर डर लगता है, लेकिन वे रोजगार की मजबूरी में काम जारी रखे हुए हैं। उनका कहना है कि सरकार ने सरकारी क्वार्टर तो खाली करा दिए, लेकिन व्यापारिक प्रतिष्ठानों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की। यदि सरकार दुकानों को भी खाली कराती है और दूसरी जगह उपलब्ध कराती है तो वे वहां जाने के लिए तैयार हैं।
स्थानीय लोगों के मुताबिक, इमारत की जर्जर हालत का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि

आए दिन सीमेंट, सरिया और ईंटों के हिस्से टूटकर नीचे गिरते हैं। आसपास काम करने वाले लोगों ने दावा किया कि कई बार वे इन गिरते मलबों की चपेट में आने से बाल-बाल बचे हैं। उन्होंने प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग की है, ताकि किसी बड़े हादसे से पहले लोगों की जान बचाई जा सके।

शहजाद पूनावाला ने कांग्रेस में शामिल होने की अटकलों को खारिज किया

-पवन खेड़ा से मुलाकात पर दी सफाई

नई दिल्ली, एजेंसी।
शहजाद पूनावाला फिलहाल राजनीति से दूर हैं, लेकिन राजनीति उनसे दूर होती नहीं दिख रही है। हाल ही में सामने आईं कांग्रेस नेता पवन खेड़ा के साथ उनकी तस्वीरों ने अटकलों का नया दौर शुरू कर दिया था। हालांकि, उन्होंने खुद ही सोशल मीडिया पर फोटोज पर सफाई दी है। खास बात है कि पूनावाला पहले ही कांग्रेस में शामिल होने से इनकार कर चुके हैं। वायरल हो रही फोटोज में नजर आ रहा है कि पूनावाला और खेड़ा दोनों साथ खड़े हैं और हाथ मिला रहे हैं। वहीं, पूनावाला ने इस फोटो के पीछे की कहानी सोशल मीडिया पर बताई है। उन्होंने कहा है कि यह तस्वीर एडिट कर शेयर की गई है और एक कार्यक्रम के दौरान ली गई थी। उन्होंने कांग्रेस में जाने से जुड़ी अटकलों पर विराम एक बार फिर लगा दिया है। शहजाद पूनावाला ने लिखा, सभी जग्गा जासूस जैसे लोगों के लिए। मैं कल पायल मेहता के पिता की याद में आयोजित कार्यक्रम में गया था। जैसी उम्मीद थी वैसा ही हुआ और कई राजनीतिक दलों के नेता भी वहां पर पहुंचे थे। मुझे खुशी है कि कांग्रेस पार्टी से भी कई नेता वहां पर आए थे। उन्होंने आगे लिखा, मैं अपने सबसे अच्छे दोस्त और भाई किरेन रिजिजू से बात कर रहा था और कई पत्रकार उनसे उनकी स्विमिंग की तस्वीरों के बारे में पूछ रहे थे। जैसे ही हमने पवन खेड़ा का जिक्र किया, तो संयोग से वह सामने से चलकर आ रहे थे और मैंने उन्हें अपनी बातों में शामिल कर लिया और राज्यसभा के लिए चुने जाने पर बधाई दी। प्रफुल्ल पटेल जी हमारी बातचीत को सुन रहे थे। उन्होंने आगे लिखा, सभी अफवाहों पर विराम लगाने के लिए, मैं कांग्रेस में शामिल नहीं हो रहा हूं। मुझे दुनिया की सबसे अच्छी पार्टी भाजपा से कोई दिक्कत नहीं है। और शोक सभाओं में कहीं शामिल होने जैसी बातें नहीं की जाती हैं। कोई भी इतना बेशर्म नहीं है कि ऐसी जगह का इस्तेमाल इन बातों के लिए करे। अगस्त में एक बातचीत में जब कांग्रेस में जाने से जुड़ा सवाल किया गया, तो उन्होंने तंज कस दिया था। पूनावाला ने कहा था, मैं कांग्रेस में शामिल हो जाऊंगा। एक शर्त पर। राहुल गांधी को हटा दो, सोनिया गांधी, प्रियंका वाड्रा को हटा दो। नेहरू के कामों पर माफी मांगो। उन्होंने साल 2017 में कांग्रेस से दूरी बना ली थी।

संपादकीय

बेलगाम अधिकारी

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दिल्ली विश्वविद्यालय की एक छात्रा को राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत अनावश्यक रूप से गिरफ्तार करने के मामले जो टिप्पणियां की हैं, वो देश में राज्य सरकारों के लिये एक गंभीर चेतावनी समझी जानी चाहिए। अदालत ने उत्तर प्रदेश के अधिकारियों को इस मामले में कड़ी फटकार लगाते हुए अफसरों के रवैये को तानाशाही वाला बताया है। कोर्ट ने बेहद सख्त भाषा का प्रयोग करते हुए राज्य को ऐसी जगह बताया जहां सरकार का निरंकुश नियंत्रण कानून-व्यवस्था के मामले में हो। स्पष्ट शब्दों में अदालत ने इस घटनाक्रम को मनमाने ढंग से आजादी छीनने वाला बताया। निश्चित रूप से, राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत गिरफ्तार छात्रा की हिरासत को रद्द करने का कोर्ट का फैसला कई गंभीर प्रश्नों को भी जन्म देता है। जो यह भी दशार्ता है कि अधिकारियों द्वारा असाधारण शक्तियों का इस्तेमाल किस तरह से एक सामान्य मामले में किया जा रहा है। निस्संदेह, इसमें दो राय नहीं कि एहतियाती तौर पर हिरासत में लेना एक असाधारण उपाय है। लेकिन इस गिरफ्तारी को तभी सही ठहराया जा सकता है जब इसे सिद्ध करने के लिये पुख्ता सबूत हों। यानी कि कोई व्यक्ति वास्तव में देश की सार्वजनिक व्यवस्था या राष्ट्रीय सुरक्षा के लिये गंभीर खतरा हो। दूसरे शब्दों में कहें तो यह सामान्य आपराधिक कानून का आसान विकल्प या असहमति की आवाज को दबाने का जरिया नहीं बन सकता है। बताया जाता है कि इस प्रकरण में, खबरों के अनुसार अदालत को कोई ऐसा ठोस सबूत पुलिस उपलब्ध नहीं करा सकी, जिससे यह साबित होता हो कि छात्रा का हिंसा भड़काने में कोई सीधा संबंध रहा हो। उल्लेखनीय है कि मामले में लिप्त अधिकारी कोई ऐसा ठोस प्रमाण प्रस्तुत नहीं कर सके, मसलन व्हाट्स ऐप संदेश या वीडियो उपलब्ध नहीं करा सके, जो यह साबित करता कि छात्रा ने लोगों को दंगे या तोड़-फोड़ के लिये उकसाया था। जिसके बाद ही अदालत ने अभियुक्त की हिरासत रद्द करने के आदेश दिए। देश का स्वतंत्रता आंदोलन का इतिहास इस बात का गवाह है कि लोकतांत्रिक ढंग से विरोध करना एक जायज अधिकार रहा है। एक स्वतंत्र देश में तो यह अधिकार और सबल हो जाता है। निस्संदेह, किसी संवैधानिक लोकतंत्र में विरोध व प्रदर्शन में शामिल होने और हिंसा भड़काने के बीच फर्क बहुत अहम है। इससे भी ज्यादा चिंता की बात प्रशासनिक प्रक्रिया के बारे में इलाहाबाद उच्च न्यायालय की सख्त टिप्पणियां हैं।

चिंतन-मनन

सृष्टि के परम स्वामी कृष्ण

मनुष्य को जानना चाहिए कि भगवान कृष्ण ब्रह्मांड के सभी लोकों के परम स्वामी हैं। वे सृष्टि के पूर्व थे और अपनी सृष्टि से भिन्न हैं। सारे देवता इसी भौतिक जगत में उत्पन्न हुए, किंतु कृष्ण अजन्मा हैं, फलतः वे ब्रह्मा और शिव जैसे देवताओं से भी भिन्न हैं। और चूंकि वे ब्रह्मा, शिव तथा अन्य समस्त देवताओं के स्त्रष्टा हैं अतः समस्त लोकों के परम पुरुष हैं। परमेश्वर का ज्ञान प्राप्त करने के लिए मनुष्य को समस्त पापकर्मो से मुक्त होना चाहिए। जैसे कि भगवद्गीता में कहा गया है, उन्हें केवल भक्ति के द्वारा जाना जा सकता है, किसी अन्य साधन से नहीं। मनुष्य को चाहिए कि वह कृष्ण को साधारण मनुष्य न समझे।

इस जगत में शुभ या अशुभ वस्तुओं का बोध बहुत कुछ मनोधर्म है क्योंकि इस भौतिक जगत में कुछ भी शुभ नहीं है। प्रत्येक वस्तु अशुभ है। क्योंकि प्रकृति स्वयं अशुभ है। हम इसे शुभ मानने की कल्पना मात्र करते हैं। वास्तविक मंगल तो पूर्ण भक्ति और सेवाभाव से युक्त कृष्णभावनामृत पर ही निर्भर करता है। अतः यदि हम तनिक भी चाहते हैं कि हमारे कर्म शुद्ध हों, तो हमें परमेश्वर की आज्ञा से कर्म करना होगा। ऐसी आज्ञा श्रीमद्भागवत तथा श्रीमद्गीता जैसे शास्त्रों या प्रामाणिक गुरु से प्राप्त की जा सकती है। चूंकि गुरु भगवान का प्रतिनिधि होता है, अतः उसकी आज्ञा प्रत्यक्षतः परमेश्वर की आज्ञा होती है। गुरु, साधु तथा शास्त्र एक ही प्रकार से आज्ञा देते हैं। इन तीनों स्रोतों में कोई विरोध नहीं होता। कर्म संपन्न करते हुए भक्त की दिव्य मनोवृत्ति वैराग्य की होती है, जिसे संन्यास कहते हैं। जैसा कि भगवद्गीता के छठे अध्याय के प्रथम श्लोक में कहा गया है कि जो भगवान का आदेश मानकर कोई कर्त्तव्य करता है और जो अपने कर्मफलों की शरण ग्रहण नहीं करता, वही असली संन्यासी है। जो भगवान के निदेर्शानुसार कर्म करता है, वास्तव में संन्यासी और योगी वही है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवसः आत्महत्या नहीं समाधान, संवाद बने जीवन की ढाल

योगेश कुमार गोयल

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के सहयोग से प्रतिवर्ष 10 सितंबर को दुनियाभर में तेजी से बढ़ती आत्महत्या की प्रवृत्ति पर रोक लगाने के उद्देश्य से ह्यविश्व आत्महत्या रोकथाम दिवसह्ल मनाया जाता है। इस दिवस की शुरूआत ह्यइंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर सुसाइड प्रिवेंशनह्ल (आईएएसपी) द्वारा 2003 में की गई थी। इन दिन एक पीले रंग के रिबन को प्रतीक के रूप में पहना जाता है, जो इस बात को फैलाने में मदद करने के लिए पहना जाता है कि आत्महत्या की रोकथाम के बारे में बोलने से लोगों की जान बचाई जा सकती है। इस दिवस को मनाने का प्रमुख उद्देश्य आत्महत्या करने वाले व्यक्ति के व्यवहार पर शोध करना, जागरुकता फैलाना और डेटा एकत्रित करना है। दरअसल डब्ल्यूएचओ के मुताबिक दुनिया में हर 40 सैकेंड में एक व्यक्ति आत्महत्या करता है यानी प्रतिवर्ष दुनियाभर में करीब आठ लाख लोग आत्महत्या के जरिये अपनी जीवनलीला खत्म कर डालते हैं, जिनमें से बड़ी संख्या में आत्महत्या के मामले 15 से 29 वर्ष के लोगों में होते हैं जबकि आत्महत्या का प्रयास करने वालों का आंकड़ा इससे बहुत ज्यादा है।

प्रतिवर्ष विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस की एक थीम निर्धारित की जाती है। आत्महत्या रोकथाम दिवस की 2026 की थीम है ह्यआत्महत्या पर दृष्टिकोण बदलनाह्ल। इस थीम का उद्देश्य आत्महत्याओं को रोकने के लिए कलंक को कम करने और खुली बातचीत को प्रोत्साहित करने के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। लोगों में अवसाद निरन्तर बढ़ रहा है, जिसके चलते ऐसे कुछ व्यक्ति आत्महत्या जैसा हृदयविदारक कदम उठा बैठते हैं। लोगों में जीवन से निराश होकर आत्महत्या की बढ़ती दुष्प्रवृत्ति गंभीर चिंता का सबब बन रही है। डब्ल्यूएचओ के आंकड़ों के अनुसार दुनियाभर में 79 फीसदी आत्महत्या निम्न और मध्यवर्ग वाले देशों के लोग करते हैं और इसमें बड़ी संख्या ऐसे युवाओं की होती है, जिनके कंधों पर किसी भी देश का भविष्य टिका होता है।

हालांकि बीते वर्षों में दुनियाभर में खुदकुशी की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं लेकिन भारत में आत्महत्याओं का आंकड़ा काफी चिंताजनक है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) ने भारत में आत्महत्या के मामलों को लेकर जारी अपनी रिपोर्ट में बताया है कि वर्ष 2024 में देश में 170746 आत्महत्याएं दर्ज की गई जबकि 2023 में कुल 171418 लोगों ने आत्महत्या की थी। वर्ष 2022 में भारत में आत्महत्या करने वालों की यह संख्या 170924 जबकि 2021 में 164033 थी। एनसीआरबी के मुताबिक आत्महत्या की घटनाओं के पीछे पेशेवर या कैरियर संबंधी समस्याएं, अलगाव की भावना, दुर्व्यवहार, हिंसा, पारिवारिक समस्याएं, मानसिक विकार, शराब की लत, वित्तीय नुकसान, पुराने दर्द इत्यादि मुख्य कारण हैं। आज छात्र अपनी शिक्षा एवं भविष्य को लेकर गहरे असमंजस में हैं। किसी को कैरियर या नौकरी की चिंता सता रही है तो कोई वित्तीय संकट से जूझ रहा है। तनाव के दौर में निजी रिश्तों में भी खटास बढ़ी है और आमजन में नकारात्मक विचारों का बढ़ता प्रवाह तथा उपरोक्त चिंताएं कई बार अवसाद का रूप ले लेती हैं, जिसके चलते कुछ लोग परेशानियों से निजात पाने के लिए आत्महत्या का खतरनाक रास्ता चुन लेते हैं।

जब कोई व्यक्ति लंबे समय तक मानसिक तनाव, निराशा, अकेलेपन, असफलता, पारिवारिक कलह, आर्थिक संकट या किसी गहरे भावनात्मक आघात से जूझता है तो उसकी सोचने-समझने और परिस्थितियों का सामना करने की क्षमता प्रभावित हो सकती है। ऐसे में अवसाद, निराशा और असहायता की भावना धीरे-धीरे इतनी गहरी हो सकती है कि व्यक्ति को अपने सामने मौजूद समस्याओं से बाहर निकलने का कोई रास्ता दिखाई नहीं देता। यही वह संवेदनशील अवस्था है, जिसमें कुछ लोग आत्महत्या के विचारों से घिर सकते हैं।

मिट्टी के गणेश की स्थापना बने देश का संकल्प, आस्था के साथ पर्यावरण की भी हो रक्षा

कांतिलाल मांडोत

गणेशोत्सव केवल भगवान गणेश की आराधना का पर्व नहीं है, बल्कि यह हमारी संस्कृति, परंपरा और प्रकृति के साथ जुड़ाव का भी उत्सव है। हर वर्ष गणेश चतुर्थी के साथ देशभर में लाखों घरों और सार्वजनिक पंडालों में गणेश प्रतिमाओं की स्थापना होती है। श्रद्धालु पूरी आस्था और उत्साह के साथ भगवान गणेश का पूजन करते हैं और उत्सव के समापन पर प्रतिमाओं का विसर्जन करते हैं। लेकिन बदलते समय के साथ इस धार्मिक परंपरा के सामने पर्यावरण संरक्षण की एक बड़ी चुनौती भी खड़ी हुई है। यही कारण है कि अब गणेशोत्सव को ऐसी दिशा देने की जरूरत है, जिसमें आस्था भी बनी रहे और प्रकृति की सुरक्षा भी सुनिश्चित हो।

गणेशोत्सव का आगाज होने वाला है और ऐसे समय में पूरे देश को एक ऐसा संकल्प लेने की जरूरत है, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए मिसाल बने। यह संकल्प मिट्टी से बनी गणेश प्रतिमा की स्थापना का होना चाहिए। यदि घर-घर और सार्वजनिक आयोजनों में मिट्टी के गणेश को प्राथमिकता दी जाए तो धार्मिक आस्था के साथ जल, मिट्टी और जलीय जीवों की रक्षा का संदेश भी मजबूत होगा। गणेशजी को विघ्नहर्ता कहा जाता है और आज सबसे बड़ा विघ्न प्रदूषण का बढ़ता संकट है। ऐसे में पर्यावरण अनुकूल गणेश प्रतिमा की स्थापना वास्तव में प्रकृति की रक्षा की दिशा में एक सार्थक धार्मिक पहल बन सकती है।

हाल ही में धरमपुर में आयोजित इको फ्रेंडली गणेश मेकिंग वर्कशॉप ने इसी सोच को जमीन पर उतारने का सुंदर प्रयास किया। लेडी विल्सन म्यूजियम और धरमपुर नगर पालिका संचालित एसएमएसएन बाल लाइब्रेरी के संयुक्त आयोजन में बच्चों और नागरिकों ने प्राकृतिक मिट्टी से गणेश प्रतिमाएं बनाईं। करीब 85 प्रतिभागियों की भागीदारी यह बताती है कि समाज में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ रही है और यदि बच्चों तथा नई पीढ़ी को सही दिशा दिखाई जाए तो वे परंपरा और पर्यावरण के बीच बेहतर संतुलन स्थापित कर सकते हैं। इस तरह के आयोजन केवल मूर्ति बनाने की कला सिखाने तक सीमित नहीं होते, बल्कि वे समाज में एक विचार को जन्म देते हैं।

सबसे बड़ा सवाल गणेश प्रतिमाओं के निर्माण में इस्तेमाल होने वाली सामग्री का है। प्लास्टर ऑफ पेरिस से बनी प्रतिमाएं देखने में आकर्षक और आसानी से तैयार होने वाली हो सकती हैं, लेकिन उनके विसर्जन के बाद पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। पीओपी पानी में आसानी से प्राकृतिक रूप से नहीं घुलता। इसके साथ ही कई प्रतिमाओं पर इस्तेमाल किए जाने वाले रासायनिक रंग और अन्य सामग्री जल की गुणवत्ता को प्रभावित कर सकते हैं। जब बड़ी संख्या में प्रतिमाओं का विसर्जन नदियों, तालाबों, झीलों और अन्य जलस्रोतों में होता है तो वहां प्रदूषण का दबाव बढ़ जाता है।

जलस्रोत केवल इंसानों के लिए पानी का माध्यम नहीं हैं। वे असंख्य जलीय जीवों और वनस्पतियों का घर भी हैं। पानी में जाने वाली ऐसी सामग्री जो प्राकृतिक रूप से आसानी से नष्ट नहीं होती, जलीय पारिस्थितिकी तंत्र के लिए परेशानी पैदा कर सकती है। रासायनिक रंगों और अन्य गैर-प्राकृतिक पदार्थों से जल की गुणवत्ता प्रभावित होने की आशंका रहती है। इससे मछलियों सहित दूसरे जलीय जीवों के जीवन पर भी प्रतिकूल असर पड़ सकता है। इसलिए गणेश प्रतिमा की सामग्री का चयन केवल धार्मिक या सौंदर्य का विषय नहीं रह गया है, बल्कि यह पर्यावरणीय जिम्मेदारी का भी विषय बन चुका है।

इसके मुकाबले प्राकृतिक मिट्टी से बनी गणेश प्रतिमा पर्यावरण के लिए अधिक अनुकूल विकल्प प्रस्तुत करती है। मिट्टी प्रकृति का हिस्सा है और उचित परिस्थितियों में पानी के संपर्क में आने पर प्राकृतिक रूप से वापस मिट्टी में मिल सकती है। इसका अर्थ यह है कि श्रद्धा से स्थापित की गई प्रतिमा उत्सव के बाद प्रकृति पर लंबे समय तक बोझ नहीं बनती। यही कारण है कि मिट्टी के गणेश की स्थापना को केवल एक फैशन या अभियान के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। इसे हमारी धार्मिक परंपरा को प्रकृति के साथ जोड़ने वाली जिम्मेदार पहल के रूप में अपनाने की जरूरत है।

मिट्टी के गणेश का एक बड़ा लाभ यह भी है कि इससे स्थानीय कारीगरों और पारंपरिक शिल्प को प्रोत्साहन मिलता है। जब लोग प्राकृतिक मिट्टी से बनी प्रतिमाओं को प्राथमिकता देंगे तो स्थानीय मूर्तिकारों के लिए रोजगार और आय के अवसर बढ़ेंगे। गांवों और छोटे शहरों में पारंपरिक रूप से प्रतिमा बनाने वाले कारीगरों की कला को भी संरक्षण मिलेगा। गणेशोत्सव के माध्यम से स्थानीय कला और संस्कृति को मजबूत करना भी इस पहल का महत्वपूर्ण पक्ष हो सकता है। मिट्टी की प्रतिमा बनाने की प्रक्रिया बच्चों के लिए भी रचनात्मक और शिक्षाप्रद अनुभव बन सकती है। धरमपुर की कार्यशाला में बच्चों ने अपने हाथों से गणेश प्रतिमाएं तैयार कीं और उन्हें घर ले जाकर स्थापित करने का संकल्प लिया। इस तरह की गतिविधियां बच्चों को केवल धार्मिक भावना से नहीं जोड़तीं, बल्कि उन्हें प्रकृति और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी का पाठ भी पढ़ाती हैं। जिस बच्चे ने अपने हाथों से मिट्टी के गणेश बनाए होंगे, उसके लिए प्रतिमा और प्रकृति के बीच संबंध को समझना कहीं अधिक सहज होगा।

गणेशोत्सव के दौरान पर्यावरण संरक्षण की जिम्मेदारी केवल प्रशासन या नगर निकाय की नहीं हो सकती। इसमें समाज के प्रत्येक वर्ग की भूमिका है। परिवार यदि मिट्टी की प्रतिमा खरीदने या बनाने का निर्णय लेते हैं तो यह बदलाव की शुरूआत होगी। स्कूल और सामाजिक संस्थाएं बच्चों के लिए मिट्टी की गणेश प्रतिमा बनाने की कार्यशालाएं आयोजित कर सकती हैं। धार्मिक संस्थाएं और गणेश मंडल भी पर्यावरण अनुकूल प्रतिमाओं को प्रोत्साहित कर सकते हैं। स्थानीय प्रशासन जलस्रोतों की स्वच्छता और सुरक्षित विसर्जन की व्यवस्था के साथ लोगों को प्राकृतिक प्रतिमाओं के उपयोग के लिए जागरूक कर सकता है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि पर्यावरण संरक्षण को धार्मिक आस्था के विरोध के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। आस्था और प्रकृति एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि एक-दूसरे के पूरक हैं। भारतीय संस्कृति में प्रकृति को सदैव सम्मान दिया गया है। पेड़-पौधे, नदियां, पर्वत और जलस्रोत हमारे सांस्कृतिक जीवन का हिस्सा रहे हैं। भगवान गणेश स्वयं प्रकृति से जुड़े अनेक प्रतीकों के साथ पूजे जाते हैं। ऐसे में उनके उत्सव को प्रकृति के अनुकूल बनाना हमारी परंपरा की भावना के और करीब ले जाता है।

आज आवश्यकता केवल एक वर्ष मिट्टी की प्रतिमा स्थापित करने की नहीं, बल्कि इसे स्थायी सामाजिक संकल्प बनाने की है। यदि एक परिवार से शुरूआत होती है तो धीरे-धीरे पूरा मोहल्ला, शहर और फिर पूरा समाज इससे जुड़ सकता है। आने वाले वर्षों में ऐसा समय आ सकता है जब गणेशोत्सव की पहचान ही पर्यावरण अनुकूल उत्सव के रूप में होने लगे। जब लोग गर्व से कहें कि उनके घर में स्थापित गणेशजी मिट्टी से बने हैं और विसर्जन के बाद वे प्रकृति में ही समा जाएंगे, तब यह उत्सव वास्तव में एक नए सामाजिक बदलाव का प्रतीक बनेगा।

गणेशजी विघ्नहर्ता हैं। आज प्रदूषित होते जलस्रोत, घटती जल गुणवत्ता और प्रकृति पर बढ़ता दबाव हमारे सामने बड़ी चुनौती हैं। इन चुनौतियों को कम करने में हर छोटा कदम महत्वपूर्ण है। मिट्टी के गणेश की प्रतिमा स्थापित करना भले ही छोटा संकल्प दिखाई दे, लेकिन करोड़ों परिवार इसे अपना लें तो इसका प्रभाव बहुत बड़ा हो सकता है। इसलिए इस गणेशोत्सव पर घर-घर से यही आवाज उठनी चाहिए कि आस्था भी रहे, परंपरा भी रहे और प्रकृति भी सुरक्षित रहे।

मिट्टी के गणेश केवल प्रतिमा नहीं, बल्कि बदलती सोच का प्रतीक बन सकते हैं। यह संकल्प भगवान गणेश के प्रति श्रद्धा को कम नहीं करता, बल्कि श्रद्धा को प्रकृति की सेवा से जोड़ता है। गणेशोत्सव की सच्ची सार्थकता तभी होगी, जब उत्सव के बाद हमारे जलस्रोत पहले से अधिक स्वच्छ रहें, जलीय जीवन सुरक्षित रहे और आने वाली पीढ़ियां भी उसी निर्मल प्रकृति का आनंद ले सकें, जिसकी रक्षा की जिम्मेदारी आज हमारे हाथों में है। इस बार गणेशजी को घर लाते समय एक संकल्प भी साथ लाना होग।गणेशजी मिट्टी के होंगे और हमारा उत्सव प्रकृति के हित में होगा। (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

ई-बाजारः सुविधा से आगे टिकाऊ अर्थव्यवस्था की नई चुनौती

भारत में खरीदारी की दुनिया जिस तेजी से बदल रही है, वह केवल बाजार की शैली में परिवर्तन नहीं है, बल्कि उपभोक्ता व्यवहार, रोजगार, तकनीक, छोटे व्यापार और अर्थव्यवस्था की पूरी संरचना में हो रहे बदलाव का संकेत है। हाल में शोध परामर्श संस्था इन्फिसम की रिपोर्ट ने इस परिवर्तन को एक स्पष्ट आंकड़े में सामने रखा है। उसके अनुसार भारत का ई-बाजार 2024 के लगभग 125 अरब डॉलर से बढ़कर 2030 तक करीब 345 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। यानी छह वर्षों में लगभग तीन गुना विस्तार। इसके लिए लगभग 18.4 प्रतिशत की वार्षिक चक्रवृद्धि वृद्धि दर का अनुमान लगाया गया है। लेकिन इस आंकड़े को केवल बाजार की सफलता के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। असली प्रश्न यह है कि इतनी तेज वृद्धि भारतीय अर्थव्यवस्था, रोजगार, उपभोक्ता अधिकार, छोटे व्यापार और पर्यावरण के लिए किस तरह का भविष्य बनाएगी। ई-बाजार की अगली कहानी केवल अधिक बिक्री की नहीं, बल्कि अधिक विवेकपूर्ण और अधिक टिकाऊ विकास की होनी चाहिए।

ई-बाजार का सबसे बड़ा परिवर्तन यह है कि उसने दुकान को स्थान से निकालकर व्यक्ति की हथेली तक पहुंचा दिया है। पहले ग्राहक बाजार जाता था, अब बाजार ग्राहक के मोबाइल में पहुंच गया है। दुकान खुलने और बंद होने का समय समाप्त हो रहा है। भौगोलिक दूरी का महत्व घट रहा है और सुविधा खरीदारी का सबसे बड़ा आकर्षण बनती जा रही है। इसी कारण ऑनलाइन खरीदारी अब केवल महानगरों की सुविधा नहीं रही। छोटे शहर और कस्बे इसके नए केंद्र बन रहे हैं। हालिया अध्ययन के अनुसार नए प्रत्यक्ष-से-उपभोक्ता आदेशों का लगभग 66 प्रतिशत हिस्सा दूसरे और तीसरे स्तर के शहरों से आ रहा है। यह परिवर्तन भारत की आर्थिक संरचना के लिए विशेष महत्व रखता है। महानगरों के बाद अब छोटे शहरों का उपभोक्ता बाजार की अगली शक्ति बन रहा है। स्थानीय भाषा में सामग्री, क्षेत्रीय पसंद, छोटे व्यापारियों की डिजिटल उपस्थिति और कम लागत वाली आपूर्ति व्यवस्था आने वाले वर्षों में ई-बाजार के विस्तार को गति दे सकती है। इसलिए भविष्य का ई-बाजार केवल तकनीक का बाजार नहीं होगा, बल्कि भारत की विविध भाषाओं, संस्कृतियों और स्थानीय आवश्यकताओं को समझने वाला बाजार होगा।

इस बदलाव में नई पीढ़ी की भूमिका निर्णायक है। आज ऑनलाइन खरीदारों में नई पीढ़ी की हिस्सेदारी लगभग एक-तिहाई बताई जा रही है और अनुमान है कि 2030 तक यही वर्ग डिजिटल खर्च का सबसे बड़ा समूह बन सकता है। यह केवल उम्र का परिवर्तन नहीं है, यह उपभोग की मानसिकता का परिवर्तन है। नई पीढ़ी विकल्पों की तुलना करती है, मूल्य की जांच करती है, दूसरे ग्राहकों की राय पढ़ती है और सुविधा को बहुत महत्व देती है। उसके लिए खरीदारी केवल वस्तु प्राप्त करना नहीं, बल्कि समय बचाना भी है। यही मानसिकता त्वरित वाणिज्य को असाधारण गति दे रही है। कुछ वर्ष पहले कुछ मिनटों में सामान पहुंचाने की कल्पना असंभव लगती थी, आज यह महानगरों से निकलकर छोटे शहरों तक पहुंच रही है। अनुमान है कि 2030 तक त्वरित वाणिज्य का बाजार 65 से 70 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है और अगले पांच वर्षों में ई-बाजार की अतिरिक्त वृद्धि में इसका योगदान 45 से 50 प्रतिशत तक हो सकता है। इसके साथ छोटे स्थानीय भंडार केंद्रों की संख्या 2025 के लगभग 2,525 से बढ़कर 2030 तक करीब 7,500 होने का अनुमान है।

लेकिन यहां एक गंभीर प्रश्न भी खड़ा होता है-क्या हर वस्तु को कुछ मिनट में घर पहुंचाना वास्तव में प्रगति का अंतिम मानक है? यदि उपभोक्ता को पांच मिनट में सामान मिल जाए, लेकिन उस सुविधा के पीछे अत्यधिक पैकेजिंग, अधिक यातायात, अधिक ऊर्जा खपत, अस्थिर रोजगार और लगातार घाटे का व्यापार हो, तो ऐसी गति को कितने समय तक टिकाऊ कहा जा सकता है? इसलिए आने वाले समय में ई-बाजार की सफलता को केवल वितरण की गति से नहीं, बल्कि उसके सामाजिक और आर्थिक संतुलन से भी मापना होगा। प्रौद्योगिकी इस पूरी व्यवस्था को और गहराई से बदलने वाली है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता ग्राहक की पसंद को समझकर उत्पाद सुझाएगी, संवाद आधारित खरीदारी ग्राहक को बातचीत के माध्यम से निर्णय लेने में सहायता देगी और आभासी परीक्षण से वस्त्र, सौंदर्य सामग्री तथा अन्य उत्पादों को खरीदने का अनुभव बदल सकता है। एक हालिया अध्ययन के अनुसार कृत्रिम बुद्धिमत्ता और यंत्र-अधिगम 2030 तक खुदरा उत्पादकता में 35 से 37 प्रतिशत तक सुधार ला सकते हैं। इससे आगे एक और बड़ा परिवर्तन संभव है। आज ग्राहक स्वयं वस्तु खोजता है, कल कृत्रिम बुद्धिमत्ता उसके लिए खोज, तुलना और चयन का बड़ा हिस्सा कर सकती है। अर्थात बाजार में सबसे बड़ा प्रतिस्पर्धी केवल वह कंपनी नहीं होगी जिसके पास अधिक उत्पाद हैं, बल्कि वह होगी जो ग्राहक की आवश्यकता को उससे पहले समझ सके। यह सुविधा जहां समय बचाएगी, वहीं उपभोक्ता की स्वतंत्र पसंद, निजता और आंकड़ों की सुरक्षा से जुड़े नए प्रश्न भी पैदा करेगी।

ई-बाजार का विस्तार परंपरागत दुकानदार के लिए भी बड़ी चुनौती है। ऑनलाइन कीमतों की तुलना करने वाला ग्राहक अब दुकान पर भी अधिक जागरूक होकर पहुंचता है। लेकिन इसे केवल ऑनलाइन बनाम ऑफलाइन संघर्ष के रूप में देखना गलत होगा। भविष्य का सफल व्यापारी संभवतः दोनों का मेल करेगा। स्थानीय दुकानदार डिजिटल माध्यम से आदेश ले सकता है, घर तक सामान पहुंचा सकता है और अपने पुराने ग्राहक संबंधों को तकनीकी सुविधा से जोड़ सकता है। इस प्रकार ई-बाजार परंपरागत बाजार का अंत करने के बजाय उसे नए रूप में ढाल सकता है। दूसरी ओर रोजगार का प्रश्न भी महत्वपूर्ण है। ई-बाजार ने वितरण, भंडारण, पैकिंग, तकनीकी सेवाओं और घरेलू आपूर्ति में लाखों अवसर पैदा किए हैं, लेकिन काम की गुणवत्ता, मेहनताना, सामाजिक सुरक्षा और कार्यस्थल की सुरक्षा को लेकर प्रश्न बने हुए हैं। यदि आर्थिक वृद्धि का लाभ केवल कंपनियों और निवेशकों तक सीमित रह जाए और अंतिम पंक्ति में काम करने वाले व्यक्ति को असुरक्षित रोजगार मिले, तो यह विकास अधूरा माना जाएगा।

पर्यावरण भी इसी बहस का महत्वपूर्ण पक्ष है। हर वस्तु की अलग पैकिंग, बार-बार होने वाली छोटी आपूर्ति और अत्यंत तेज वितरण से ऊर्जा उपयोग तथा अपशिष्ट बढ़ सकता है। इसलिए भविष्य का ई-बाजार पुनर्चक्रण योग्य पैकेजिंग, विद्युत वाहनों, सामूहिक वितरण और कम-अपशिष्ट आपूर्ति व्यवस्था की ओर बढ़े, तभी उसकी वास्तविक सामाजिक उपयोगिता सिद्ध होगी। एक और महत्वपूर्ण बदलाव यह है कि भविष्य की खरीदारी केवल कंपनियों नहीं, बल्कि सामग्री निमार्ता और सामाजिक माध्यमों से प्रभावित होगी। गूगल और डेलॉइट के 2026 के अध्ययन के अनुसार 2030 तक नई पीढ़ी ऑनलाइन खर्च का लगभग 45 प्रतिशत हिस्सा नियंत्रित कर सकती है और सामग्री निमार्ता कुल खुदरा खर्च के लगभग 30 प्रतिशत को प्रभावित कर सकते हैं। इसका अर्थ है कि विज्ञापन और खरीदारी के बीच की पुरानी दूरी तेजी से मिटेगी। विश्वास, अनुभव और सामाजिक प्रभाव वस्तु की कीमत जितने ही महत्वपूर्ण हो सकते हैं।

इसलिए 2030 का ई-बाजार आज के ई-बाजार से बिल्कुल अलग होगा। वह केवल इंटरनेट पर बनी दुकान नहीं होगा, बल्कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्थानीय भाषाओं, डिजिटल भुगतान, त्वरित वितरण, सामाजिक प्रभाव और व्यक्तिगत सुझावों से निर्मित एक विशाल आर्थिक पारिस्थितिकी तंत्र होगा। अनुमान है कि दशक के अंत तक ई-बाजार भारत के कुल खुदरा खर्च का 10 से 12 प्रतिशत और राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में लगभग 2.5 प्रतिशत योगदान कर सकता है तथा 42 से 44 करोड़ ऑनलाइन खरीदारों तक पहुंच सकता है। फिर भी हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि बाजार का आकार जितना बड़ा होगा, उसकी जिम्मेदारी भी उतनी ही बड़ी होगी। ई-बाजार की असली परीक्षा यह नहीं है कि वह कितनी तेजी से बढ़ता है, बल्कि यह है कि वह कितने लोगों को साथ लेकर बढ़ता है। यदि तकनीक सुविधा दे, छोटे व्यापारी अवसर पाएं, उपभोक्ता सुरक्षित रहे, कामगार को सम्मानजनक रोजगार मिले, पर्यावरण पर बोझ घटे और कंपनियां टिकाऊ मुनाफे के साथ आगे बढ़ें, तभी यह विस्तार वास्तविक आर्थिक प्रगति कहलाएगा। भारत के ई-बाजार के सामने इसलिए एक बड़ा अवसर और एक बड़ी चेतावनी दोनों हैं। 345 अरब डॉलर का लक्ष्य आकर्षक है, लेकिन उससे भी महत्वपूर्ण है उस बाजार की गुणवत्ता। हमें ऐसा ई-बाजार चाहिए जो केवल खरीदारी को तेज न बनाए, बल्कि भारतीय अर्थव्यवस्था को अधिक समावेशी, अधिक विश्वसनीय, अधिक मानवीय और अधिक टिकाऊ बनाए। आने वाले वर्षों में जीत उसी की होगी जो ग्राहक को केवल वस्तु नहीं, विश्वास, सुविधा और मूल्य-तीनों एक साथ दे सके। यही ई-बाजार की अगली और सबसे महत्वपूर्ण क्रांति होगी।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

अमरोहा
गुरुवार 10 सितंबर 2026
www.sabkasapna.com

अमरोहा

हिंदी दैनिक
सब का सपना 3

ग्रामोदय इंटर कॉलेज गंगेश्वरी में संकुल स्तरीय योग प्रतियोगिता आयोजित

गंगेश्वरी/अमरोहा (सब का सपना):- बुधवार को ग्रामोदय इंटर कॉलेज, गंगेश्वरी में संकुल स्तरीय योग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें श्री बिहारी सिंह कन्या इंटर कॉलेज रहरा, राजकीय हाई स्कूल रहरई तथा ग्रामोदय इंटर कॉलेज गंगेश्वरी की छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता का शुभारंभ प्रधानाचार्य श्री बृजपाल सिंह ने किया। उन्होंने छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए योग को स्वस्थ शरीर व स्वस्थ मन के लिए आवश्यक बताया। प्रतियोगिता परिणामो में अंडर-14 वर्ग में प्रथम स्थान शिवी बिधूड़ी, द्वितीय कीर्तिका, तृतीय नमन (तीनों राजकीय हाई स्कूल रहरई), अंडर-17 वर्ग में प्रथम लवी (कन्या इंटर कॉलेज रहरा), द्वितीय अंशु (रहरई), तृतीय लवी (कन्या इंटर कॉलेज रहरा), अंडर-19 वर्ग में प्रथम पलक त्यागी, द्वितीय आरती (दोनों कन्या इंटर कॉलेज रहरा), तृतीय दुर्गा (ग्रामोदय इंटर कॉलेज गंगेश्वरी) निर्णायक मंडल में सविता पीटीआई रहरई व अनुज कुमार शर्मा पीटीआई गंगेश्वरी रहे। इस अवसर पर प्रधानाचार्य श्याम सुंदर मौर्य, धनेश कुमार, भोजराम सिंह, राकेश कुमार, विशाल त्यागी सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

लम्पी से बचाव को गांव पहुंची पशु चिकित्सकों की टीम

अमरोहा (सब का सपना):- पशुओं में फैल रही लम्पी त्वचा बीमारी और बांझपन की समस्या की रोकथाम को लेकर सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मेरठ और पशुपालन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में ग्राम शरीफ पुर शुमाली में निशुल्क पशु चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। शिविर को इफको टोकियो जनरल इंश्योरेंस लिमिटेड का वित्तीय सहयोग मिला। कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. त्रिवेणी दत्त के मार्गदर्शन में आयोजित शिविर का शुभारंभ विधायक राजीव तरारा की प्रेरणा से प्रधान पति विनोद नागर द्वारा गौ पूजन कर किया गया। उन्होंने कहा कि कृषि विश्वविद्यालय के तकनीकी सहयोग और पशुपालन विभाग के प्रयासों से ग्रामीण क्षेत्र के पशुपालकों को गांव में ही बेहतर पशु चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध हो रही हैं। श्री जसपाल सिंह ने कहा कि लम्पी रोग की रोकथाम के लिए जिले में टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने पशुपालकों से समय पर टीकाकरण कराने और बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर तत्काल पशु चिकित्सक से संपर्क करने की अपील की। पशु चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजीव सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय की विशेषज्ञ टीम दूरस्थ क्षेत्रों तक आधुनिक पशु चिकित्सा सेवाएं पहुंचाने के साथ पशुपालकों को रोगों की रोकथाम के प्रति जागरूक कर रही है। वेटेरिनरी मेडिसिन विभागाध्यक्ष प्रो. अमित कुमार वर्मा ने बताया कि लम्पी वायरस से पशुओं के शरीर पर गांठें पड़ जाती हैं, जो बाद में घाव का रूप ले सकती हैं। मच्छर, मक्खी और खून चूसने वाले कीट इसके प्रसार में प्रमुख भूमिका निभाते हैं। तेज बुखार, आंख-नाक से पानी आना और मुंह से लार निकलना प्रमुख लक्षण हैं। उन्होंने पशुशाला की नियमित सफाई, कीट नियंत्रण, नीम के पानी से पशुओं को नहलाने तथा प्रत्येक पशु को प्रतिदिन 50 ग्राम खनिज मिश्रण और संतुलित आहार देने की सलाह दी। डॉ. दीपाक्षी, डॉ. भागेश सिंह, डॉ. अफरोज, डॉ. शुभमदीप, डॉ. आशुतोष राय, डॉ. इशिता एवं डॉ. ईशान ने 200 से अधिक पशुओं की जांच एवं उपचार किया। इस अवसर पर मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ आभा दत्त द्वारा पशु पालकों को विभागीय योजनाओं की जानकारी देते हुए हर संभव सहायता का भरोसा दिया। शिविर का आयोजन पशु चिकित्साधिकारी डॉ. भागेश सिंह के नेतृत्व में संपन्न हुआ।

सर्किल रेट की पुनरीक्षित दरों के संबंध में प्राप्त आपत्तियों की हुई सुनवाई

अमरोहा (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश स्टाम्प (सम्पत्ति का मूल्यांकन) नियमावली, 1997 एवं उत्तर प्रदेश स्टाम्प (सम्पत्ति का मूल्यांकन) (द्वितीय संशोधन) नियमावली-2013 तथा (तृतीय संशोधन) नियमावली-2015 के अंतर्गत निर्धारित व्यवस्था के अनुसार जनपद की समस्त तहसीलों से संबंधित मूल्यांकन सूची की पुनरीक्षित दरें निर्धारित किए जाने की कार्यवाही के क्रम में समिति का गठन किया गया था। समिति के प्रस्ताव के आधार पर प्रस्तावित मूल्यांकन सूची पर तहसीलवार प्राप्त आपत्तियों की सुनवाई की गई। इसी क्रम में बुधवार को जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ की अध्यक्षता में ब्लॉक सभागार अमरोहा में तहसील अमरोहा तथा तहसील नौगांवा सादात से संबंधित प्राप्त आपत्तियों की सुनवाई की गई। तहसील अमरोहा में प्रस्तावित मूल्यांकन सूची के संबंध में 34 तथा तहसील नौगांवा सादात में 03 आपत्तियां प्राप्त हुई थीं। सुनवाई के दौरान उपस्थित सभी आपत्तिकताओं को व्यक्तिगत रूप से सुना गया तथा उनकी आपत्तियों के संबंध में आवश्यक कार्यवाही से उन्हें अवगत कराया गया। प्रस्तुत आपत्तियों एवं सुझावों पर नियमानुसार समाधान किए जाने के संबंध में आश्वस्त किया गया।

सुनवाई के दौरान अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गरिमा सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया, सहायक महानिरीक्षक निबंधन अमरोहा अनूप कुमार सिन्हा, उप जिलाधिकारी अमरोहा एवं नौगांवा सादात, उप निबंधक अमरोहा एवं नौगांवा सादात तहसीलदार अमरोहा एवं नौगांवा सादात सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

धनौरा क्षेत्र में तटबंध अधूरा होने से खादर क्षेत्र बाढ़ से प्रभावित, कई गांव और खेत जलमग्न

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- पहाड़ी इलाकों में लगातार हो रही बारिश का असर मैदानी क्षेत्रों में लगातार बढ़ रहा है जिसके चलते मंडी धनौरा क्षेत्र के खादर इलाके में कई गांवों और खेतों में पानी पहुंच गया है जिसके कारण लोगों को सड़कों पर भी निकालना दूभर हो गया है। बाढ़ का पानी खेतों में पहुंचने के कारण किसानों की फसलें भी प्रभावित हो रही है इसके कारण किसानों को नुकसान की चिंता सता रही है। बता दें कि मंडी धनौरा के खादर क्षेत्र में बाढ़ का पानी कई गांवों और खेतों तक पहुंच गया है। गंगा और आसपास के क्षेत्रों से पानी आने के कारण रसूलपुर भांवर, देवीपुरा, सिपिया फार्म, इब्राहिमपुर, मुकारमपुर, चांदरा फार्म, रफातपुर, शाहजहांपुर, पट्टी, दांडी, आसूवाला, पहाड़पुर, झुंडपुरा, आसिफपुरा, रानी बस्तौरा, आजमपुर के जंगल, ढाकोवाली, विशावली, शीशों वाली और रमपुरा खादर समेत कई गांव प्रभावित हुए हैं। कई स्थानों पर खेतों में पानी भरने से फसलों को नुकसान हुआ है। रफातपुर-शेरपुर मार्ग भी पानी के बहाव से प्रभावित हुआ है। प्रशासन की ओर से राहत और सड़क मरम्मत के लिए संबंधित विभागों के माध्यम से कार्रवाई की जा रही है।खादर क्षेत्र के कई गांवों के आसपास बाढ़ का पानी फैल गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में खेतों में पानी भरने से धान और गन्ने की फसल प्रभावित हुई है। ग्रामीणों के अनुसार, इस स्थिति से खेती और दैनिक आवागमन पर असर पड़ा है।बाढ़ के पानी के तेज बहाव से रफातपुर से शेरपुर जाने वाला मार्ग क्षतिग्रस्त हुआ है। पानी भरने के कारण ग्रामीणों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्कूल जाने वाले बच्चों के आवागमन पर भी इसका असर पड़ा है। मंडी धनौरा के उपजिलाधिकारी शैलेश कुमार दुबे के अनुसार, खादर क्षेत्र के ग्रामीणों तक हर संभव मदद पहुंचाई जा रही है। बाढ़ से क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत और पुनर्निर्माण के लिए संबंधित विभागों को निर्देश दिए गए हैं। तटबंध का काम पूरा कराने के लिए भी प्रयास किए जा रहे हैं।

पालिका ने चलाया अतिक्रमण विरोधी अभियान, सार्वजनिक स्थानों से हटाया अतिक्रमण

अमरोहा (सब का सपना):- नगर पालिका परिषद अमरोहा द्वारा यातायात पुलिस के साथ संयुक्त रूप से अमरोहा-बिजनौर मार्ग पर टी.पी. चौराहा से अटल चौक तक अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान सरकारी नाले-नाली और मार्गों पर रखा सामान हटवाकर जब्त किया गया और दोबारा अतिक्रमण करने पर विधिक कार्यवाही की चेतावनी दी गई। बता दें कि सड़क सुरक्षा मॉनिटरिंग सेल की बैठक में जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ द्वारा अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए गए थे। साथ ही व्यापारियों ने भी पालिका को ज्ञापन देकर अतिक्रमण हटाने की मांग की थी। अधिशासी अधिकारी दिनेश कुमार के नेतृत्व में चले इस अभियान में दुकानों, शोरूमों के बाहर नाले और मुख्य मार्ग पर किया गया अतिक्रमण हटवाया गया। प्रतिबंधित पॉलीथिन जब्त कर जुमार्ना भी वसूला गया। ईओ ने बताया कि शासन स्तर से अतिक्रमण को लेकर नियमित समीक्षा हो रही है। आमजन के आवागमन को सुचारू बनाने और जाम की समस्या के समाधान के लिए यह अभियान आगे भी नगर के सभी प्रमुख मार्गों और बाजारों में चलाया जाएगा।

उन्होंने अपील की है कि सभी दुकान व प्रतिष्ठान स्वामी अपने सामान, फड़, ठेला, जाल आदि सरकारी मार्ग या नाली पर न रखें और स्वयं अतिक्रमण हटा लें, अन्यथा अभियान के दौरान जब्तीकरण व नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

धान की फसल में रोगों से बचाव हेतु समय पर करें प्रबंधन:- जिला कृषि रक्षा अधिकारी

अमरोहा (सब का सपना):- जिला कृषि रक्षा अधिकारी मनोज कुमार ने जनपद के धान उत्पादक किसानों से अपील करते हुए कहा है कि वर्तमान समय में धान की फसल में बालियां निकलने एवं दाना बनने की अवस्था चल रही है। इस दौरान झोंका, भूरी झुलसा, गंधी बग, तना छेदक तथा फफूंद जनित रोगों के प्रकोप की संभावना बढ़ जाती है। ऐसे में किसान समय-समय पर अपनी फसलों का निरीक्षण करते रहें तथा आवश्यकतानुसार समुचित प्रबंधन अपनाकर फसल को नुकसान से बचाएं। उन्होंने बताया कि गंधी बग अथवा पेट दानी के प्रकोप से बालियां सफेद एवं खोखली रह जाती हैं। वहीं भूरी झुलसा रोग में पत्तियों पर भूरे रंग के धब्बे बनते हैं, जो धीरे-धीरे बढ़कर पूरी पत्ती को प्रभावित कर देते हैं। ऐसे लक्षण दिखाई देने पर कृषि विशेषज्ञों की सलाह के अनुसार अनुशंसित कीटनाशी एवं फफूंदनाशी दवाओं का छिड़काव करें। उन्होंने बताया कि लौकी, तुरई, खीरा, करेला तथा काशीफल जैसी सब्जी फसलों में फफूंद जनित रोगों के कारण पत्तियों एवं तनों पर धब्बे पड़ने लगते हैं तथा फल प्रभावित हो जाते हैं। ऐसी स्थिति में रोगग्रस्त पौधों को हटाकर अनुशंसित दवाओं का छिड़काव करना आवश्यक है, जिससे रोग का प्रसार रोका जा सके। जिला कृषि रक्षा अधिकारी ने किसानों से कहा कि किसी भी प्रकार की समस्या या फसल में रोग एवं कीटों के प्रकोप की जानकारी के लिए अपने विकासखण्ड स्तरीय कृषि रक्षा इकाई अथवा कृषि विभाग से संपर्क करें। उन्होंने बताया कि कृषि रक्षा रसायनों एवं उपकरणों पर शासन द्वारा निर्धारित अनुदान भी उपलब्ध कराया जा रहा है, जिसका लाभ किसान उठा सकते हैं। साथ ही किसानों से वैज्ञानिक सलाह के अनुरूप ही दवाओं का प्रयोग करने तथा सुरक्षित एवं संतुलित कृषि पद्धतियां अपनाने की अपील की गई।

धनौरा में UGC प्रावधानों के विरोध में निकाली गई रैली, पीएम मोदी के नाम एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा में बुधवार को यूजीसी के नए प्रावधानों के विरोध में स्वर्ण चेतना मंच के सौजन्य से संपूर्ण नगर में एक विशाल रैली निकाली गई। इस दौरान रैली में शामिल कार्यकताओं ने 'यूजीसी वापस लो'और 'यूजीसी रोल बैक' के नारे भी लगाए। रैली के तहसील मुख्यालय पर पहुंचने के बाद उसमें शामिल कार्यकताओं ने पीएम मोदी के नाम एसडीएम धनौरा शैलेश कुमार दुबे को एक ज्ञापन भी सौंपा। बता दें कि कार्यक्रम की शुरूआत गोलघर स्थित एक बैंक्वेट हॉल में हुई बैठक से हुई। इसमें वक्ताओं ने सवर्ण समाज के हितों और मौजूदा मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। बैठक के बाद कार्यकर्ता हाथों में झंडे और बैनर लेकर अनुशासन से रैली के लिए निकले।यह रैली गोलघर से शुरू होकर कंचन बाजार, अग्रसेन बाजार और मुख्य बाजार से होती हुई आगे बढ़ी। अग्रसेन बाजार में अग्रवाल सभा के अध्यक्ष पंकज सिंघल के नेतृत्व में रैली में शामिल लोगों के लिए जलपान का इंतजाम किया गया था। इसके बाद जुलूस सब्जी मंडी, नगर पालिका और बाईपास रोड होते हुए तहसील कैंपस पहुंचा।तहसील में एसडीएम को सौंपे गए ज्ञापन में सवर्ण समाज ने मुख्य रूप से तीन मांगें रखीं। इसमें शिक्षा संस्थानों में निष्पक्षता और समानता के लिए यूजीसी के विवादित प्रावधानों को तुरंत वापस लेने की मांग की गई। साथ ही, मौजूदा आरक्षण व्यवस्था की समय पर जांच करने और इसका लाभ जाति के बजाय सिर्फ आर्थिक रूप से कमजोर और जरूरतमंद लोगों को देने की बात कही। इसके अलावा, एससी/एसटी एक्ट के गलत इस्तेमाल को रोकने के लिए पहले निष्पक्ष जांच के बाद ही मामला दर्ज करने और प्राकृतिक न्याय के नियम लागू करने की व्यवस्था बनाने की मांग भी की गई।रैली की एक खास बात हिंदू-मुस्लिम भाईचारे का उदाहरण रही। बछरायूं निवासी चौधरी शकीलउद्दीन वारसी, चौधरी अली रफी एडवोकेट और डॉ. आफताब चौधरी ने सवर्ण समाज की मांगों का समर्थन करते हुए पूरा साथ देने की बात कही। वहीं, सुबोध देवरा, सुनील त्यागी और अग्रवाल सभा धनौरा के अध्यक्ष पंकज सिंघल ने यूजीसी के प्रावधानों का कड़ा विरोध किया और उन्हें तुरंत वापस लेने की मांग की। सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए मंडी धनौरा थाना प्रभारी सतेन्द्र सरोहा भारी पुलिस बल के साथ पूरी रैली के दौरान मुस्तैद रहे।कार्यक्रम के आयोजन व ज्ञापन सौंपने वालों में मुख्य रूप से सुनील त्यागी, धीरज त्यागी, चंद्रशेखर गर्ग, सुभाष बंसल, कमल गुप्ता एडवोकेट,सावन भटनागर , अनिल भटनागर, गुलाबराय गुप्ता, विनय गोयल, दीपक अग्रवाल, अभिषेक अग्रवाल, मनोज अग्रवाल, रिंकू अग्रवाल, संदीप अग्रवाल, साहू संदीप, सुबोध देवरा, भुवनेश त्यागी, सुमित शर्मा, जयपाल त्यागी, अतुल त्यागी, नरेंद्र शर्मा, भूराज त्यागी, संदीप गुप्ता बंदूकों वाले,गुलाब मिष्ठान वाले,दिग्विजय त्यागी, आदित्य त्यागी, विकास घरौटिया, पुनीत कुमार, मनजीत सिंह, सर्वेश शर्मा, अनुज अरोड़ा, राहुल अरोड़ा सहित भारी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

नौगांवा सादात क्षेत्र की नहर में मिला अज्ञात युवक का शव,जांच पड़ताल में जुटी पुलिस

नौगांवा सादात/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के नौगांवा सादात थाना क्षेत्र में बुधवार की सुबह एक युवक का शव नहर में तैरता हुआ मिला जिससे क्षेत्र में हड़कंप गया। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई उधर मौके पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने लोगों की मदद से युवक के शव को नहर से बाहर निकलवाया और शिनाख्त के प्रयास किये लेकिन शिनाख्त नहीं हो सकी। जिसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच पड़ताल में जुट गई। बता दें कि अमरोहा के नौगावां सादात थाना क्षेत्र के कलामपुर गांव के पास बुधवार सुबह नहर में एक अज्ञात युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। ग्रामीणों के मुताबिक, शव बिजनौर की तरफ से बहकर सुबह करीब 8 बजे यहां पहुंचा। नहर में शव दिखाई देने के बाद आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को बाहर निकलवाकर कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।बुधवार सुबह ग्रामीणों ने कलामपुर गांव के पास नहर में एक युवक का शव देखा। कुछ ही देर में इसकी जानकारी आसपास के गांवों में फैल गई और मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। नौगावां सादात थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से शव को नहर से बाहर निकलवाया।पुलिस ने युवक की पहचान कराने की कोशिश की। आसपास के लोगों से उसके बारे में जानकारी ली गई, लेकिन खबर लिखे जाने तक मृतक की पहचान नहीं हो सकी थी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पहचान होने के बाद ही युवक के बारे में अन्य जानकारी सामने आ सकेगी।सर्किल सीओ अवधभान सिंह भदौरिया ने बताया कि कलामपुर के पास नहर में एक अज्ञात युवक का शव मिला है। शुरूआती जानकारी में सामने आया है कि शव नहर में पीछे की तरफ से बहकर यहां आया है। पुलिस आसपास के थानों से भी संपर्क कर युवक के लापता होने की जानकारी जुटा रही है, ताकि उसकी पहचान हो सके।पुलिस के मुताबिक, युवक की मौत किन परिस्थितियों में हुई, यह अभी स्पष्ट नहीं है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत की वजह सामने आने की उम्मीद है। सीओ ने बताया कि शव की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। मामले में जरूरी कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस युवक की पहचान के साथ उसकी मौत की परिस्थितियों का भी पता लगा रही है।

PRTC आउटसोर्स कर्मचारियों को बड़ा झटका, हाई कोर्ट ने नियमितीकरण का आदेश किया रद, नहीं मिलेगा स्थायी दर्जा!

चंडीगढ़। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने पीईपीएसयू रोड ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन (पीआरटीसी) में निजी एजेंसी के माध्यम से काम कर रहे कर्मचारियों को नियमित करने के आदेश को रद कर दिया है। हाई कोर्ट की खंडपीठ ने कहा कि केवल लंबे समय तक पीआरटीसी में काम करने और निगम के अधिकारियों के निर्देशन में ड्यूटी करने से कोई व्यक्ति पीआरटीसी का कर्मचारी नहीं बन जाता। नयमितीकरण के लिए कर्मचारी और निगम के बीच प्रत्यक्ष नियोक्ता-कर्मचारी संबंध साबित होना जरूरी है। मामला उन कर्मचारियों से जुड़ा है, जिन्हें एमएस एसएस सर्विस प्रोवाइडर्स नामक निजी एजेंसी ने नियुक्त किया थाएजेंसी ने चालकों, कंडक्टरों और अन्य पदों के लिए विज्ञापन जारी कर भर्ती की थी। नियुक्ति के बाद इन कर्मचारियों को पीआरटीसी में ड्यूटी के लिए भेजा गया। अदालत ने पाया कि कर्मचारियों को पीआरटीसी ने कभी नियुक्ति पत्र जारी नहीं किया और न ही उन्हें निगम के अस्थायी या तदर्थ कर्मचारी के रूप में दर्ज किया गया। एकल पीठ ने दिया था आदेश

एकल पीठ ने 22 अप्रैल 2026 को कर्मचारियों की सेवाओं को

पीआरटीसी में नियमित करने का निर्देश दिया था। इसके साथ ही पात्र कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना सहित अन्य लाभ देने पर भी विचार करने को कहा गया था। पीआरटीसी ने इस आदेश को चुनौती देते हुए चार अपीलें दायर की थीं। खंडपीठ ने इन अपीलों को स्वीकार करते हुए एकल पीठ का आदेश रद कर दिया।

वेतन और भविष्य निधि भी एजेंसी के माध्यम से

खंडपीठ ने पाया कि कर्मचारियों का वेतन निजी एजेंसी की ओर से दिया जा रहा था और भविष्य निधि की राशि भी एजेंसी के माध्यम से जमा होती थी। पीआरटीसी और एजेंसी के बीच हुए समझौते में भी ऐसा कोई प्रावधान नहीं था, जिससे यह साबित हो कि निगम इन कर्मचारियों के खिलाफ सीधे अनुशासनात्मक कार्रवाई कर सकता था। ऐसे में उन्हें पीआरटीसी का कर्मचारी मानकर नियमित करने का आधार नहीं बनता।2016 के कानून से भी नहीं मिल सकती राहत

अदालत ने पंजाब के वर्ष 2016 के कानून के प्रावधानों पर भी विचार किया। खंडपीठ ने कहा कि आउटसोर्स कर्मचारियों को निर्धारित शर्तों के तहत संबंधित संस्था में वार्षिक अनुबंध पर लिए जाने का प्रावधान है, लेकिन इससे स्वतः नियमित कर्मचारी का दर्जा नहीं मिल जाता,इसके लिए पात्रता और अन्य निर्धारित शर्तों का पूरा होना आवश्यक है। खंडपीठ ने को फैसला सुनाते हुए पीआरटीसी की चारों अपीलें स्वीकार कर लीं और एकल पीठ का आदेश रद करते हुए संबंधित याचिकाएं खारिज कर दीं।

मोहाली में मुठभेड़, बदमाश गुरदित्त सिंह के पैर में लगी गोली; तीन पिस्तौल बरामद

मोहाली। सनेटा पुलिस चौकी के पास बुधवार को मोहाली सीआईए टीम और बदमाश के बीच मुठभेड़ हो गई। सीआईए ने गुप्त सूचना के आधार पर सुनसान इलाके में ट्रैप लगाया था। अल्टो टैक्सी में सवार आरोपित को पुलिस ने रोकने का प्रयास किया तो उसने टीम पर तीन राउंड फायर कर दिए। जवाबी कार्रवाई में आरोपित के पैर में गोली लगी। घायल को सिविल अस्पताल मोहाली में भर्ती कराया गया है। एसएसपी वरुण शर्मा ने घटनास्थल पर प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि आरोपित के कब्जे से तीन पिस्तौल बरामद हुई हैं। इनमें दो नाइन एमएम और एक ग्लॉक पिस्तौल है। उन्होंने ग्लॉक पिस्तौल की बरामदगी को गंभीर बताते हुए कहा कि हथियार की बरामदगी और उसके स्रोत की गहन जांच की जा रही है।एसएसपी वरुण शर्मा ने बताया कि आरोपित की पहचान गुरदित्त सिंह के रूप में हुई है। वह मूल रूप से तरनतारन का रहने वाला है, जबकि पिछले कुछ समय से खरड़ क्षेत्र में रह रहा था। गुरदित्त सिंह कई आपराधिक वारदातों में वांछित था।पुलिस के पास विश्वसनीय खुफिया जानकारी थी कि वह अपने साथियों के साथ मिलकर मोहाली जिले में एक्सटॉर्शन से जुड़ी किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की तैयारी में था। पुलिस की समय रहते कार्रवाई से उसकी इस योजना को विफल कर दिया गया।आरोपित के दो साथियों के बारे में भी जानकारी मिली है। उनकी गिरफ्तारी के लिए एसपी ऑपरेशन आकाश और एसपी डी सौरव जिंदल के नेतृत्व में टीमें संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही हैं। एसएसपी के अनुसार आरोपित के गैंगस्टर हैंडलर और आपराधिक नेटवर्क की भी पड़ताल की जा रही है। उसकी हालत स्थिर होने के बाद पिछली वारदातों को लेकर भी पूछताछ की जाएगी।

अनाज, तेल-तिलहन से लेकर मसालों तक; पढ़ें पंजाब मंडियों के आज के रेट

अमृतसर। सितंबर 2026 की ताजा स्थिति के अनुसार, पंजाब की प्रमुख मंडियों- खन्ना, लुधियाना, अमृतसर, जालंधर और बठिंडा- में अनाज, दलहन, तिलहन, कपास और मसालों की मजबूत आवक के साथ विभिन्न वस्तुओं के बाजार भाव में विविधता देखने को मिल रही है। एशिया की प्रमुख अनाज मंडी खन्ना में गेहूं 2,870 से 2,880 प्रति क्विंटल और मक्की 2,700 से 2,750 के भाव बिक रही है। बठिंडा की मंडी में नरमा कपास के भाव 8,900 से 9,100 प्रति क्विंटल और जे-34 रुई के दाम 6,800 से 6,900 प्रति मन तक दर्ज किए गए हैं। बासमती चावल के प्रमुख केंद्र अमृतसर में 1121 बासमती स्टीम 11,000 से

11,200 प्रति क्विंटल और नया 1509 धान 3,900 से 4,100 के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

इसके अलावा, लुधियाना और जालंधर की मंडियों में दालों व किराना वस्तुओं के भाव में भी हलचल है; जहां चना दाल 7,450 से 8,050, काबली चना 7,200 से 12,100 और जीरा 23,000 से 27,800 प्रति क्विंटल के बीच बिक रहा है।

सरसों तेल का भाव 16,950 से 17,000 प्रति क्विंटल तक पहुंच चुका है। ये विस्तृत बाजार भाव पंजाब की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को संबल देने के साथ-साथ पूरे देश में कृषि व्यापार और कीमतों को स्थिरता प्रदान करते हैं।

राहुल गांधी के सवाल पर राजा वड़िंग का पंजाब सरकार पर हमला, बोले- नशे पर सवाल उठा तो नेताओं को लगी मिर्ची

चंडीगढ़। पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की ओर से पंजाब में नशे के मुद्दे पर की गई टिप्पणी को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और मुख्यमंत्री भगवंत मान पर तीखा हमला बोला है। वड़िंग ने कहा कि आप नेताओं की प्रतिक्रिया से स्पष्ट है कि राहुल गांधी ने नशे के मुद्दे पर सरकार के दावों की असलियत पर सीधे सवाल उठाया है। वड़िंग ने कहा कि राहुल गांधी के सवालों से आप नेतृत्व को परेशानी हुई है। उन्होंने दावा किया कि पंजाब में नशे की उपलब्धता को लेकर सरकार के दावों और जमीनी स्थिति में अंतर है। नशे के मुद्दे पर सरकार नाकाम

उन्होंने आरोप लगाया कि आप सरकार लगातार नशे पर अंकुश

लगाने का दावा कर रही है, जबकि प्रदेश में नशीले पदार्थों की उपलब्धता को लेकर लोगों की चिंताएं बनी हुई हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने केजरीवाल और भगवंत मान पर नशे के मुद्दे पर लोगों को गुमराह करने का आरोप लगाया।उन्होंने कहा कि सरकार को राजनीतिक बयानबाजी करने के बजाय यह बताना चाहिए कि नशे की समस्या पर उसकी ओर से किए जा रहे दावों का जमीनी स्तर पर क्या असर हुआ है।गुलजार की मौत का उठाया मुद्दा

वड़िंग ने गुलजार सिंह की मौत का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि नशे की समस्या को लेकर सवाल उठाने वालों को जवाब देने के बजाय सरकार उन्हें दबाने की कोशिश कर रही है। हालांकि, इन आरोपों पर सरकार की ओर से प्रतिक्रिया का उल्लेख वड़िंग के बयान में नहीं किया गया है।

राहुल गांधी के आरोपों पर केजरीवाल का पलटवार, बोले- नशे पर युद्ध जारी, लाशों पर राजनीति करना बंद करें

चंडीगढ़। पंजाब में नशे के मुद्दे पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल के बीच सियासी तकरार तेज हो गई है। राहुल गांधी के आरोपों और इंटरनेट मीडिया पर पोस्ट के बाद केजरीवाल ने पलटवार करते हुए कांग्रेस पर पंजाब में नशे को बढ़ावा देने का आरोप लगाया है। केजरीवाल ने कहा कि पंजाब सरकार नशे के खिलाफ निर्णायक युद्ध लड़ रही है। उन्होंने दावा किया कि पहली बार देश में कोई राज्य नशे के खिलाफ इस तरह अभियान चला रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस, अकाली दल और भाजपा की सरकारों के दौरान पंजाब में नशे की समस्या फैली और अब उनकी सरकार इसे खत्म करने का प्रयास कर रही है।गुलजार सिंह की मौत राजनीति न करें गुलजार सिंह की मौत को लेकर राहुल गांधी के आरोपों पर केजरीवाल ने कहा कि उन्हें बेहद दुख है कि राहुल गांधी जैसे नेता एक व्यक्ति की मौत पर राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि इस व्यक्ति की मौत पर राजनीति करने के लिए कल आपके विधायक भी जब उस गांव में गये तो गांव वालों ने उन्हें निकाल दिया। केजरीवाल ने अपने पेज पर एक वीडियो भी शेयर किया। उन्होंने राहुल गांधी से निवेदन किया कि वे भी एक चक्कर इस गांव का लगाकर आएं। पंजाब सरकार के किसी मंत्री, किसी विधायक का इस व्यक्ति की मौत से कोई लेना देना नहीं और वे इस तरह की गंदी राजनीति मत कीजिए।गुलजार सिंह मौत पर सियासत तेज इससे पहले राहुल गांधी ने आरोप लगाया था कि पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार में सरकारी नाकामी पर सवाल उठाने वालों को धमकी और प्रताड़ना का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने दावा किया कि दलित समुदाय से आने वाले गुलजार सिंह ने वित्त मंत्री से नशे के कारोबार पर सवाल किया था, जिसके बाद उन पर माफी मांगने का दबाव बनाया गया और प्रताड़ित किया गया। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि गुलजार सिंह ने जहर खा लिया और इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। उन्होंने मुख्यमंत्री भगवंत मान से वित्त मंत्री का इस्तीफा लेने और मामले की स्वतंत्र व निष्पक्ष जांच कराने की मांग की थी। अब केजरीवाल के जवाब के बाद इस मुद्दे पर पंजाब की राजनीति और गरमा गई है।

फाइलें लेकर ईडी दफ्तर पहुंचे पंजाब के पूर्व मुख्य सचिव अनुराग वर्मा, दो बार तारीख बढ़ने के बाद आज हुई पेशी

जालंधर। मोहाली में जमीन के उपयोग में बदलाव की मंजूरियों और लेआउट बदलाव से जुड़ी कथित अनियमितताओं की जांच के सिलसिले में पंजाब के पूर्व मुख्य सचिव और वरिष्ठ आइएएस अधिकारी अनुराग वर्मा बुधवार सुबह प्रवर्तन निदेशालय (ईडी के दफ्तर पहुंचे। उनके पास मामले से संबंधित महत्वपूर्ण दस्तावेजों की फाइल थी। केंद्रीय जांच एजेंसी के वरिष्ठ अधिकारी उनसे मामले को लेकर पूछताछ कर रहे हैं। अनुराग वर्मा की पेशी की तारीख इससे पहले दो बार आगे बढ़ चुकी है। ईडी ने उन्हें सबसे पहले 31 अगस्त को पूछताछ के लिए बुलाया था। हालांकि, वह उस दिन एजेंसी के सामने पेश नहीं हुए थे। उन्होंने मामले से संबंधित जरूरी दस्तावेज एकत्र करने के लिए अतिरिक्त समय मांगा था।दस्तावेजों को साथ लेकर पहुंचे पूर्व मुख्य सचिव

इसके बाद जांच एजेंसी ने उन्हें सात सितंबर को पेश होने के निर्देश दिए थे। बाद में ईमेल के माध्यम से उनकी पेशी की तारीख आगे बढ़ाकर 9 सितंबर कर दी गई। उन्हें बुधवार सुबह 10 बजे एजेंसी के समक्ष पेश होने के लिए कहा गया था।इसी के तहत अनुराग वर्मा बुधवार सुबह मांगे गए दस्तावेजों और रिकॉर्ड की फाइल लेकर प्रवर्तन निदेशालय के दफ्तर पहुंचे। इसके बाद केंद्रीय जांच एजेंसी के अधिकारियों ने उनसे पूछताछ शुरू की।मोहाली भूमि फजीर्वाड़े में पूछताछ जांच का मुख्य केंद्र मोहाली में जमीन के उपयोग में बदलाव की मंजूरियों और लेआउट में किए गए बदलाव से संबंधित कथित अनियमितताएं हैं। एजेंसी इस मामले में दस्तावेजों और संबंधित निर्णयों की पड़ताल कर रही है। अनुराग वर्मा पंजाब के मुख्य सचिव रह चुके हैं। अब जांच एजेंसी की ओर से उनसे मामले से जुड़े दस्तावेजों और निर्णय प्रक्रिया को लेकर जानकारी ली जा रही है। पूछताछ पूरी होने के बाद ही मामले में आगे की कार्रवाई को लेकर स्थिति स्पष्ट होगी।

पंजाब कांग्रेस में गुटबाजी के बीच चन्नी-रंधावा ने सचिन पायलट से की मुलाकात, आलाकमान के फैसले का किया स्वागत

चंडीगढ़। पंजाब कांग्रेस में चल रही गुटबाजी के बीच पूर्व मुख्यमंत्री और सांसद चरणजीत सिंह चन्नी ने बुधवार को पार्टी के नवनियुक्त प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट से मुलाकात की। उनके अलावा सांसद व पूर्व उप-मुख्यमंत्री सुखजिंदर रंधावा भी सचिन पायलट से मिले हैं। मुलाकात के बाद चन्नी ने कांग्रेस हाईकमान की ओर से पंजाब के प्रभारी में किए गए बदलाव को सही फैसला बताते हुए कहा कि पायलट के आने से प्रदेश में कांग्रेस के लिए अच्छा माहौल बना है और कार्यकताओं में नई ऊर्जा व उत्साह पैदा हुआ है।चन्नी ने कहा कि पंजाब के लोग सचिन पायलट को पसंद करते हैं। उनके पंजाब प्रभारी बनने से पार्टी कार्यकताओं के बीच एक नई उम्मीद जगी है। उन्होंने केंद्रीय नेतृत्व का धन्यवाद करते हुए कहा कि उम्मीद है कि पायलट आने वाले समय में पार्टी में बेहतर व्यवस्था

कायम करेंगे और सभी नेताओं व कार्यकताओं को साथ लेकर आगे बढ़ेंगे।पंजाब कांग्रेस को सचिन पायलट से उम्मीदें

पंजाब कांग्रेस में लंबे समय से चल रही खींचतान के बीच चन्नी खेमे के कई वरिष्ठ नेता प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग को हटाने की मांग करते रहे हैं। इस खेमे में सुखजिंदर सिंह रंधावा, राणा गुरजीत सिंह और भारत भूषण आशु समेत कई नेता शामिल बताए जाते हैं। पार्टी में बढ़ते मतभेदों के बीच हाईकमान ने हाल ही में भूपेश बघेल की जगह सचिन पायलट को पंजाब का प्रभारी नियुक्त किया है। यह पूछे जाने पर कि क्या पायलट की नियुक्ति के बाद आने वाले दिनों में पंजाब कांग्रेस के सभी नेता एक मंच पर नजर आएंगे, चन्नी ने कहा कि पार्टी नेतृत्व जिस तरह से फैसले ले रहा है, उससे पंजाब में अच्छा माहौल बन रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस माहौल को आगे भी कायम रखा जाएगा।विधानसभा चुनाव की तैयारी पर भी दिया संकेत

आगामी पंजाब विधानसभा चुनाव को लेकर चन्नी ने कहा कि अब पार्टी को एकजुट होकर काम करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि सचिन पायलट अच्छे नेता हैं और उनमें सभी को साथ लेकर चलने की क्षमता है। पार्टी हाईकमान और राहुल गांधी के दिशा-निर्देशों के अनुसार कांग्रेस नेता मिलकर चुनावी रणनीति को आगे बढ़ाएंगे। चन्नी ने कहा कि कांग्रेस पूरी कोशिश करेगी कि आगामी विधानसभा चुनाव में सरकार बनाने में सफल हो और पंजाब के लोगों को एक अच्छी सरकार दी जा सके। उन्होंने पायलट के साथ मुलाकात को पार्टी के लिए सकारात्मक कदम बताया और कहा कि नई लीडरशिप से कांग्रेस को निश्चित रूप से फायदा होगा।

हलवारा एयरपोर्ट से दिल्ली की उड़ान फिर रद, तीन दिन में दूसरी बार टली एअर इंडिया की फ्लाइट

लुधियाना। हलवारा हवाई अड्डे से दिल्ली आने-जाने वाले यात्रियों की मुश्किलें कम नहीं हो रहीं। बुधवार सुबह एअर इंडिया की दिल्ली-हलवारा-दिल्ली उड़ान तीन दिन में दूसरी बार रद होने से 110 से ज्यादा यात्री परेशान हो गए। मिली जानकारी के मुताबिक दिल्ली से हलवारा आने वाली उड़ान ए.आई.-481 हवाई अड्डे पर पहुंची ही नहीं। इसी विमान को हलवारा से दिल्ली के लिए ए.आई.-482 के तौर पर वापस जाना था, लेकिन विमान न आने के चलते यह उड़ान भी रद करनी पड़ी। तय समय से पहले हवाई अड्डे पहुंचे यात्रियों को जब उड़ान रद होने की खबर मिली तो उनकी परेशानी बढ़ गई। कई यात्री अपनी गाड़ियों से हवाई अड्डे पहुंचे थे। जिन लोगों को दिल्ली में जरूरी काम था, उन्हें टैक्सी या दूसरे साधन लेकर निकलना पड़ा। उड़ान रद होने के बाद कुछ यात्रियों ने दोपहर की उड़ान ए.आई.-484 में सीट पाने की कोशिश की। कुछ को सीट मिल गई और वे वेटिंग हॉल में अगली उड़ान का इंतजार करते नजर आए, जबकि कई ने अपना यात्रा कार्यक्रम ही बदल दिया।बार-बार उड़ानें रद होने से हलवारा से दिल्ली जाने वाले यात्रियों में नाराजगी है। यात्रियों ने मांग की कि उड़ानें तय समय पर चलाई जाएं, ताकि उन्हें रोज-रोज की इस परेशानी से छुटकारा मिल सके।

डल्लेवाल हाउस अरेस्ट, किसान नेताओं पर भी हुई कार्रवाई; पंचायत से पहले पंजाब में बढ़ा सियासी तनाव

फरीदकोट। भारतीय किसान यूनियन एकता सिद्धूपुर की ओर से बुधवार को फरीदकोट में होने वाली किसान पंचायत से पहले पुलिस ने संगठन के प्रदेश अध्यक्ष जगजीत सिंह डल्लेवाल को हाउस अरेस्ट कर लिया। इसके अलावा फरीदकोट समेत आसपास के जिलों में संगठन के कई पदाधिकारियों को भी उनके घरों में नजरबंद किए जाने की सूचना है। पुलिस कार्रवाई का विरोध करते हुए जगजीत सिंह डल्लेवाल ने कहा कि पंजाब सरकार किसानों के लोकतांत्रिक आंदोलन को कुचलने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि इस तरह की कार्रवाई से किसानों की आवाज को दबाया नहीं जा सकता। किसान अपनी मांगों को लेकर हर हाल में संघर्ष जारी रखेंगे। जरूरत पड़ी तो भूख हड़ताल से लेकर आमरण अनशन तक का रास्ता अपनाने से भी पीछे नहीं हटेंगे। किसानों की ओर से पिछले करीब पांच माह से फरीदकोट समेत पंजाब के 12 जिलों में लैंड मोरगेज बैंकों के बाहर धरने दिए जा रहे हैं। किसानों की प्रमुख मांग है कि कमर्शियल बैंकों की तर्ज पर लैंड मोरगेज बैंकों में भी ओटीएस (वन टाइम सेटलमेंट) योजना लागू की जाए।इसके साथ ही किसानों से लिए गए खाली चेक वापस करने और शंभू-कनौरी बॉर्डर पर आंदोलन के दौरान किसानों के सामान की हुई चोरी की भरपाई करने की मांग की जा रही है। इन मांगों को लेकर 29 अगस्त को फरीदकोट में प्रस्तावित प्रदेश स्तरीय प्रदर्शन से पहले भी पुलिस ने कई किसानों को हिरासत में लेकर जेल भेज दिया था।

सीएम मान की पत्नी गुरप्रीत कौर के खिलाफ मत डाले पोस्ट', चंडीगढ़ कोर्ट का बड़ा आदेश; मजीठिया और खैरा को दी चेतावनी

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान की पत्नी गुरप्रीत कौर को चंडीगढ़ जिला अदालत से अंतरिम राहत मिली है। उन्होंने अकाली दल के नेता बिक्रमजीत सिंह मजीठिया, कांग्रेस के विधायक सुखपाल खैरा और रिटायर्ड जस्टिस रंजीत सिंह के खिलाफ चंडीगढ़ में मानहानि का केस दायर किया है। उनकी याचिका पर अदालत ने गुरप्रीत कौर के खिलाफ कोई अपुष्ट और मानहानिकारक सामग्री इंटरनेट मीडिया या किसी अन्य माध्यम से प्रकाशित, प्रसारित या साझा करने से अगले आदेश तक रोक लगाई है।

अदालत में दायर याचिका में गुरप्रीत ने आरोप लगाया था कि प्रतिवादियों ने उन पर दुष्कर्म के आरोपित को

बचाने के लिए पांच करोड़ रुपये मांगने का आरोप लगाया। यह सामग्री इंटरनेट मीडिया, समाचार प्रसारण और प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से प्रसारित की गई।याचिका के अनुसार, एक व्यक्ति को इस कथित लेनदेन में मध्यस्थ बताया गया था, लेकिन उसने इंस्टाग्राम वीडियो में किसी तरह की मुलाकात या पैसे मांगने से साफ इनकार किया। अदालत ने प्रथम दृष्टया पाया कि आरोपों के समर्थन में पर्याप्त ठोस प्रमाण सामने नहीं रखे गए हैं। अदालत ने कहा कि जिन पोस्ट, वीडियो और तस्वीरों के आधार पर आरोप लगाए गए, वह फिलहाल अपुष्ट सामग्री पर आधारित दिखाई देते हैं। अदालत ने यह भी कहा कि संबंधित व्यक्ति के आरोपों से मुकर जाने के बाद इन पोस्ट और वीडियो का आधार प्रथम दृष्टया असत्य प्रतीत होता है।

अदालत ने कहा कि किसी व्यक्ति की प्रतिष्ठा उसकी गरिमा का अभिन्न हिस्सा है और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और प्रतिष्ठा के अधिकार के बीच संतुलन जरूरी है। हालांकि, अदालत ने इंटरनेट मीडिया से पोस्ट, वीडियो और तस्वीरें हटाने का आदेश फिलहाल नहीं दिया। इस संबंध में पहले प्रतिवादियों को नोटिस जारी कर उनका पक्ष सुना जाएगा। मामले की अगली सुनवाई 30 सितंबर 2026 को होगी।

पंजाबी सिंगर विक्की तालीवान को हवा में गोलियां चलाना पड़ा भारी, वीडियो वायरल होने के बाद पंजाब पुलिस ने किया अरेस्ट

लुधियाना। पंजाबी सिंगर विक्की तालीबान उर्फ बिक्रमजीत सिंह को हथियारों का शौक भारी पड़ गया। सोशल मीडिया पर उनका पिस्तौल से फायरिंग करते हुए एक वीडियो पोस्ट किया गया था। खन्ना पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए पंजाबी सिंगर विक्की तालीबान को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के मुताबिक, सिंगर ने खेतों में अपने एक दोस्त की लाइसेंसी पिस्तौल से हवा में फायरिंग की और उसका वीडियो बनाकर अपने व्हाट्सएप स्टेटस पर पोस्ट किया। पुलिस के संज्ञान में वीडियो आने के बाद मच्छीवाड़ा साहिब पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया। जानकारी के अनुसार, विक्की टलीवान का हथियार से फायरिंग करते हुए एक वीडियो बनाया गया था, जिसमें वह खेतों में हवा में फायरिंग करते हुए दिखाई दे रहे हैं। इसके बाद उन्होंने यह वीडियो अपने व्हाट्सएप स्टेटस पर भी पोस्ट किया। जब पुलिस को इस बारे में जानकारी मिली तो खन्ना पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू की और गांव बहलोलपुर निवासी विक्की तालीबान के खिलाफ मच्छीवाड़ा साहिब पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया।पुलिस की जांच में यह भी सामने आ रहा है कि फायरिंग बटाला (गुरदासपुर) में की गई थी, जबकि इसका वीडियो बाद में मच्छीवाड़ा साहिब के तहत गांव बहलोलपुर में मिला और व्हाट्सएप स्टेटस पर पोस्ट किया गया। पुलिस अब फायरिंग की जगह, वीडियो और हथियार से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

पंजाब में मकान, दुकान और इमारतें बनाने के नियम बदले, सरकार ने किए कई अहम सुधार; जानें क्या हुआ बदलाव

चंडीगढ़। पंजाब सरकार ने घरों, दुकानों, बूथों और अन्य व्यावसायिक व रिहायशी इमारतों के निर्माण से जुड़े नियमों में अहम बदलाव किए हैं। सरकार ने ह्यपंजाब शहरी नियोजन और बिल्डिंग (संशोधन) नियम, 2026ह्ल लागू कर दिए हैं। नए नियमों में फायर सेफ्टी, पार्किंग, छत के इस्तेमाल, सोलर पैनल, टायलेट, लिफ्ट और हाई टेंशन बिजली तारों से सुरक्षा को लेकर कई नए प्रावधान किए गए हैं।जानें नियमों में क्या क्या हुए बदलाव 21 मीटर से ऊंची इमारत में सभी सीढ़ियां फायर एग्जिटः नए नियमों के तहत 21 मीटर से अधिक ऊंचाई वाली इमारतों में बनाई गई सभी सीढ़ियों को फायर एग्जिट के रूप में तैयार करना अनिवार्य होगा। इसका उद्देश्य आग या अन्य आपदा की स्थिति में लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने की व्यवस्था को मजबूत करना है।हाई टेंशन तारों के नीचे निर्माण नहींः भवन निर्माण के दौरान ओवरहेड हाई टेंशन बिजली तारों से निर्धारित सुरक्षित दूरी बनाए रखना जरूरी होगा। तारों के ठीक नीचे किसी भी तरह के निर्माण की अनुमति नहीं होगी। इससे बिजली के शार्ट सर्किट

और करंट लगने से होने वाले हादसों का जोखिम कम किया जा सकेगा।मेजनाइन फ्लोर पर नहीं होगा कारोबारः दुकानों और बूथों में मेजनाइन फ्लोर का इस्तेमाल केवल सामान रखने के लिए किया जा सकेगा। यहां ग्राहकों के बैठने या कारोबार करने की अनुमति नहीं होगी। इसका क्षेत्रफल बूथ के कुल क्षेत्रफल के दो-तिहाई से अधिक नहीं होगा और इसे एफएआर में शामिल नहीं किया जाएगा।छत पर सोलर पैनल और टायलेट को राहतः सोलर पैनल के नीचे अधिकतम 2.4 मीटर ऊंचाई तक जगह रखी जा सकेगी। सोलर पैनल और उसका ढांचा इमारत की कुल ऊंचाई और एफएआर में शामिल नहीं होगा। छत पर अधिकतम छह वर्ग मीटर क्षेत्र में 2.75 मीटर तक ऊंचाई वाला टायलेट भी बनाया जा सकेगा। इसे भी एफएआर और कुल ऊंचाई की गणना में शामिल नहीं किया जाएगा।

छत तक जा सकेगी लिफ्टः रिहायशी और व्यावसायिक समेत विभिन्न प्रकार की इमारतों में लिफ्ट को सीधे छत तक ले जाने की अनुमति दी गई है।

इसके लिए निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन करना होगा। इससे बुजुर्गों, दिव्यांगों और छत तक सामान ले जाने वालों को सुविधा मिलेगी।

पार्किंग व्यवस्था पर भी जोरः रिहायशी सोसायटियों और बड़ी इमारतों में पार्किंग, स्टिल्ट, लिफ्ट और क्लब हाउस से जुड़े निर्धारित नियमों का पालन अनिवार्य किया गया है। सरकार का उद्देश्य भवन निर्माण के साथ सुरक्षा, सुविधा और पार्किंग व्यवस्था को बेहतर बनाना है।

महाराणा प्रताप स्मृति द्वार का किया गया भव्य लोकार्पण

डीएम जसजीत कौर व विधायक अशोक राणा ने फीता काटकर किया उद्घाटन, वीरता-त्याग और राष्ट्रभक्ति के आदर्शों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने पर दिया जोर

धामपुर/बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के धामपुर-नूरपुर मार्ग पर गांव ठाठजट मोड़ के पास मंगलवार शाम वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की स्मृति में निर्मित भव्य स्मृति द्वार का लोकार्पण समारोह उत्साह और गौरवपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि जिलाधिकारी जसजीत कौर एवं विशिष्ट अतिथि भाजपा विधायक अशोक कुमार राणा ने फीता काटकर स्मृति द्वार का विधिवत उद्घाटन किया। इस दौरान बड़ी संख्या में क्षेत्रीय लोग, जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए अतिथियों ने महाराणा प्रताप के साहस, स्वाभिमान, त्याग, शौर्य और राष्ट्रभक्ति को याद किया। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप का जीवन आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत है। विषम परिस्थितियों में भी उन्होंने अपने सिद्धांतों और स्वाभिमान से समझौता नहीं किया। जिलाधिकारी जसजीत कौर ने महाराणा प्रताप के त्याग, साहस और वीरता को नमन करते हुए कहा कि इस प्रकार के स्मारक युवाओं को महान योद्धाओं के इतिहास से परिचित कराने और उनमें राष्ट्रभक्ति की भावना मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। स्मृति द्वार क्षेत्र के लिए गौरव का प्रतीक है और लोगों को महाराणा प्रताप के आदर्शों से प्रेरणा लेने का संदेश देता है। भाजपा विधायक अशोक कुमार राणा ने कहा कि यह स्मृति द्वार महज एक निर्माण कार्य नहीं, बल्कि वीरता, त्याग और राष्ट्रभक्ति की प्रेरणा का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप का संघर्ष और उनका स्वाभिमानी जीवन युवाओं को सदैव आगे बढ़ने और देश के प्रति समर्पित रहने की प्रेरणा देता रहेगा। कार्यक्रम के दौरान क्षेत्रवासियों में भी खासा उत्साह दिखाई दिया। स्मृति द्वार के लोकार्पण को लेकर लोगों ने इसे क्षेत्र के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया। समारोह में भाजपा युवा नेता प्रियंकर राणा, पूर्व ब्लॉक प्रमुख उदित नारायण, ब्लॉक प्रशासनिक प्रतिनिधि नीरज प्रताप सिंह सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण, जनप्रतिनिधि एवं क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे।

दिनदहाड़े गुलदार दिखने से ग्रामीणों में दहशत

वन विभाग को सूचना देने के बावजूद मौके पर नहीं पहुंचने का आरोप, ग्रामीणों ने पिंजरा लगवाने की मांग की

शिवाला कलां/बिजनौर (सब का सपना):- थाना शिवाला कलां क्षेत्र के ग्राम औरंगाबाद उर्फ सिकंदरपुर में बुधवार को दिनदहाड़े गुलदार दिखाई देने से ग्रामीणों में दहशत फैल गई। ग्रामीणों के अनुसार सुबह करीब 11 बजे गुलदार गांव के आसपास दिखाई दिया, जिसके बाद लोग अपने घरों से बाहर निकलने में भी सतर्कता बरतने लगे। पूर्व प्रधान आलम ने आरोप लगाया कि गुलदार दिखाई देने की सूचना तत्काल वन विभाग को दी गई, लेकिन काफी समय बीतने के बावजूद विभाग का कोई कर्मचारी मौके पर नहीं पहुंचा। उन्होंने बताया कि मामले की जानकारी देने के लिए वन विभाग के रेंजर दुष्यंत कुमार को लगातार पांच-छह बार फोन किया गया, लेकिन कथित तौर पर फोन रिसीव नहीं किया गया। ग्रामीणों का कहना है कि गांव के आसपास बड़ी संख्या में मकान और गन्ने के खेत हैं। ऐसे में आबादी के नजदीक गुलदार की मौजूदगी से ग्रामीणों, खासकर बच्चों और पशुओं की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। ग्रामीणों ने वन विभाग से क्षेत्र में तत्काल निगरानी बढ़ाने और गुलदार को पकड़ने के लिए पिंजरा लगाने की मांग की है। पूर्व प्रधान आलम समेत ग्रामीणों ने जिला प्रशासन एवं वन विभाग के उच्चाधिकारियों से मामले का संज्ञान लेकर तत्काल कार्रवाई किए जाने की मांग की है, ताकि किसी संभावित अप्रिय घटना को रोका जा सके।

चोरी की मोटरसाइकिल समेत आरोपी गिरफ्तार

धामपुर/बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के थाना धामपुर पुलिस ने चोरी की मोटरसाइकिल के मामले का खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी की गई स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल बरामद की है। बरामद बाइक पर आगे-पीछे नंबर प्लेट नहीं लगी थी।पुलिस के अनुसार, छह सितंबर को मोहल्ला गुजरातियान निवासी शर्मिला देवी पत्नी स्व. शिव कुमार ने तहरीर देकर बताया था कि उनके भतीजे सौरभ कुमार पुत्र अवनेश निवासी ग्राम फिरोजपुर बझा गुलरिया, बदायूं की स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल संख्या वढ24इछ1959 घर के सामने गली से अज्ञात चोर चोरी कर ले गया। तहरीर के आधार पर धामपुर थाने में मुकदमा अपराध संख्या 354/2026, धारा 303(2) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। विवेचना के दौरान पुलिस को मामले में शहनवाज पुत्र नवी अहमद निवासी पानी की टंकी के पास, पुराना धामपुर का नाम प्रकाश में आया। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने आरोपी को चोरी की मोटरसाइकिल समेत गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने पुलिस को बताया कि उसने बाइक की नंबर प्लेट उतारकर रात में जंगल में कहीं फेंक दी थी, जिसकी जगह उसे याद नहीं है। पुलिस ने बरामद मोटरसाइकिल के चेसिस नंबर को ई-चालान के माध्यम से चेक किया तो उसका पंजीकरण नंबर UP24BL1959, इंजन नंबर HA11F6SHD05443 और चेसिस नंबर MBLHAW463SHD00974 पाया गया। बरामदगी के आधार पर मुकदमे में धारा 317(2) बीएनएस की बढ़ोतरी की गई है। पुलिस द्वारा आरोपी के खिलाफ अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तार करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक रवि तोमर, हेड कांस्टेबल 803 चरनपाल, कांस्टेबल 2366 मोनू, कांस्टेबल 2574 अमन तथा कांस्टेबल 1629 अक्षय कुमार शामिल रहे।

भगवत प्रसाद मकवाना के शपथ समारोह में शामिल होने अपनी टीम के साथ दिल्ली पहुंचे राजेंद्र व मनोज

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग के राष्ट्रीय चेयरमैन भगवत प्रसाद भकवाना लोक नायक भवन चतुर्थ फ्लोर दिल्ली स्थित बड़े शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए राष्ट्रीय क्रांति वाल्मीकि क्रांतिकारी मोर्चा के राष्ट्रीय सचिव राजेंद्र सोढ़ी व प्रदेश महामंत्री मनोज वाल्मीकि समेत आधा दर्जन मोर्चा की टीम शामिल। राष्ट्रीय वाल्मीकि क्रांतिकारी मोर्चा के संस्थापक अध्यक्ष भगवत प्रसाद मकवाना को राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग का चेयरमैन सामाजिक न्याय अधिकारिता भारत सरकार नियुक्त किए जाने पर बुधवार को उनके शपथ समारोह कार्यक्रम में जनपद बिजनौर से मोर्चा राष्ट्रीय सचिव राजेंद्र सोढ़ी, प्रदेश महामंत्री मोर्चा मनोज वाल्मीकि नगीना, मोर्चा वरिष्ठ नेता रामपाल सिंहा नजीबाबादत, गोविंद सिंह चैनवाल धामपुर, नरेंद्र पारछा नजीबाबाद, तुषार सोढ़ी बिजनौर, से शामिल होने पहुंचे, शपथ समारोह में भगवत प्रसाद मकवाना को गुलदस्ता भेंट कर सम्मानित। उसके बाद राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग के सदस्य मनोज वाल्मीकि हापुड ऑफिस मैं जाकर उनको भी पटका पहना कर और गुलदस्ता बैठकर सम्मानित किया और उनके उजाले भविष्य की कामना की।भाजपा वरिष्ठ नेता एवं हाथरस सुरक्षित सीट से सांसद अनूप प्रधान की निवास कोठी 11 जनपथ पहुंच कर फूल माला पहना कर और मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया। इस मौके पर सांसद अनूप प्रधान ने मोर्चा कार्यकताओं से कहां के भाजपा ने हमेशा वाल्मीकि समाज को अधिकार सम्मान। और उच्च पदों पर नेतृत्व देने का कार्य किया है और करती रही है इसलिए समाज के लोगों को भी चाहिए कि वह पूरी नष्ठा के साथ आने वाले प्रदेश विधानसभा चुनाव में भाजपा को ही वोट देकर अपना फर्ज निभाए उन्होंने कहा कि भाजपा वाल्मीकि समाज पर पर विशेष विश्वास रखती है और इस विश्वास को राष्ट्रीय स्तर पर कायम रखा हुआ है।

इसी विश्वास को देखते हुए कई महत्वपूर्ण पदों पर वाल्मीकि समाज के नेताओं को नेतृत्व देने का काम किया है। इस मौके पर राष्ट्रीय क्रांतिकारी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष देवदास चौहान, वरिष्ठ महामंत्री सुखदेव, महामंत्री मनोज वाल्मीकि पत्रकार, राजेंद्र सोढ़ी राष्ट्रीय सचिव मोर्चा बिजनौर, रामपाल सिंहा, नरेंद्र पारक्षा नजीबाबाद, गोविंद कुमार धामपुर, राजीव सूद दिल्ली, रविंद्र कुमार पत्रकार दिल्ली, आदि मौजूद रहे।

मलूक नागर की टिप्पणी पर पाल समाज में आक्रोश

सपा कार्यालय पर बैठक कर जताई नाराजगी, सार्वजनिक माफी की मांग, आंदोलन तेज करने की चेतावनी

बिजनौर (सब का सपना):- पूर्व सांसद एवं रालोद नेता मलूक नागर द्वारा समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणी किए जाने को लेकर पाल और धनगर समाज में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। बुधवार को बिजनौर स्थित समाजवादी पार्टी कार्यालय पर पाल समाज के लोगों ने बैठक कर कथित बयान की कड़ी निंदा की और मलूक नागर से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की। समाज के लोगों का आरोप है कि सहारनपुर में आयोजित एक जनसभा के दौरान रालोद अध्यक्ष जयंत चौधरी की मौजूदगी में मलूक नागर ने सपा प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल के खिलाफ आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया। इसको लेकर पाल एवं धनगर समाज के लोगों में रोष व्याप्त है। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि किसी राजनीतिक व्यक्ति के खिलाफ सार्वजनिक मंच से इस प्रकार की भाषा का इस्तेमाल किया जाना उचित नहीं है। उनका कहना है कि श्यामलाल पाल के खिलाफ की गई कथित टिप्पणी को समाज के लोग अपने सम्मान से जोड़कर देख रहे हैं। समाज के लोगों ने मामले की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कराने तथा दोषियों के खिलाफ नियमानुसार कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग की। वक्ताओं ने कहा कि सामाजिक सौहार्द बनाए रखने के लिए राजनीतिक मतभेदों के बावजूद किसी समाज अथवा सम्मानित व्यक्ति के खिलाफ आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने मलूक नागर से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की। पाल समाज के नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही सार्वजनिक रूप से माफी नहीं मांगी गई तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा। बैठक में मौजूद लोगों ने कहा कि समाज अपने सम्मान के मुद्दे पर एकजुट है। फिलहाल मलूक नागर की कथित टिप्पणी को लेकर पाल और धनगर समाज में नाराजगी बनी हुई है।

धनौरा तहसील सभागार में भाकियू टिकैत के किसानों व अधिकारियों की बैठक,किसान समस्याओं के अहम मुद्दों पर चर्चा

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा तहसील सभागार में बुधवार को भारतीय किसान यूनियन टिकैत गुट के किसानों एवं विभिन्न विभागों के अधिकारियों के बीच एक बैठक आयोजित की गई।जिसमें संगठन के किसानों ने वहां उपस्थित अधिकारियों से किसानों से जुड़ी समस्याओं के अहम मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। इस दौरान उन्होंने बिजली गंगा एक्सप्रेसवे,गन्ना भुगतान एवं क्षेत्र में तेंदुए की लगातार बढ़ रही गतिविधियों से संबंधित विषयों पर विशेष चर्चा की। बता दें कि इस दौरान बिजली विभाग के एसडीओ ने समस्याओं के समाधान का भरोसा दिया। गंगा एक्सप्रेस-वे के मुआवजे और कट से जुड़े विषय पर एसडीएम ने जिलाधिकारी के साथ किसानों की बैठक तय होने की जानकारी दी। गन्ना विभाग ने ब्याज भुगतान की प्रक्रिया बताई। वन विभाग ने तेंदुए को पकड़ने के लिए पिंजरा लगाए जाने की जानकारी दी।किसान प्रतिनिधियों ने बिजली विभाग से जुड़ी समस्याएं अधिकारियों के सामने रखीं। एसडीओ राजन सिंह ने संबंधित समस्याओं के जल्द समाधान का भरोसा दिया।किसानों ने गंगा एक्सप्रेस-वे में कट और मुआवजे से जुड़े विषय पर जानकारी मांगी। एसडीएम शैलेश कुमार दुबे ने बताया कि जिलाधिकारी के साथ किसानों की बैठक तय है।गन्ना सचिव ब्रजभूषण शाक्य ने बताया कि ब्याज की राशि के लिए किसानों को अलग से फॉर्म भरने की आवश्यकता नहीं होगी। भुगतान कोर्ट के आदेश के अनुसार निर्धारित राशि के आधार पर किया जाएगा।वन विभाग के रेंजर अवनीश कुमार ने बताया कि तेंदुए को पकड़ने के लिए पिंजरा लगाया गया है। उन्होंने ग्रामीणों और किसानों से सतर्क रहने की अपील की।बैठक में गुरमीत सिंह चंचू, तहसील अध्यक्ष देशराज सिंह, सौरभ मलिक, सोहित मलिक, सतपाल सिंह, बोबी चाहल, बचन सिंह और रोहतास सिंह समेत किसान प्रतिनिधि मौजूद रहे।

ज्वैलर्स की दुकान में बुर्कानशी महिलाओं ने कर दिया खेल

एक लाख रुपये कैश, चांदी के जेवर और जरूरी दस्तावेज वाला बैग चोरी होने से मचा हड़कंप

धामपुर/बिजनौर (सब का सपना):- फल चौक स्थित बालकिशन ज्वैलर्स की दुकान पर खरीदारी करने पहुंची एक महिला का बैग कथित तौर पर दो बुर्कानशी महिलाओं द्वारा चोरी किए जाने का मामला सामने आया है। बैग में करीब एक लाख रुपये की नकदी, चांदी के जेवरात समेत आधार कार्ड, एटीएम कार्ड और अन्य जरूरी सामान बताया जा रहा है। घटना के बाद पीड़िता ने थाना धामपुर में तहरीर देकर कार्रवाई और सामान बरामदगी की मांग की है। जानकारी के अनुसार, जसपुर निवासी फरहाना परवीन आठ सितंबर की शाम करीब चार बजे अपने तीन रिश्तेदारों के साथ फल चौक स्थित बालकिशन ज्वैलर्स की दुकान पर आभूषण खरीदने पहुंची थीं। इसी दौरान दो बुर्कानशी महिलाएं दुकान में दाखिल हुईं। पीड़िता के मुताबिक, एक महिला दुकानदार को आभूषण देखने में उलझाए रही, जबकि दूसरी ने कथित तौर पर मौका पाकर फरहाना का बैग उठा लिया। कुछ देर बाद दोनों महिलाएं दुकान से निकल गईं। खरीदारी के दौरान बैग गायब होने का पता चलने पर पीड़िता के होश उड़ गए। बैग की तलाश करने के बाद जब वह नहीं मिला तो मामले की जानकारी पुलिस को दी गई। पीड़िता का दावा है कि बैग में करीब एक लाख रुपये नकद, चांदी के जेवरात, आधार कार्ड, एटीएम कार्ड सहित अन्य जरूरी सामान रखा था। घटना के बाद दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी सुरक्षित किए जाने की बात सामने आई है। बताया जा रहा है कि फुटेज में संदिग्ध महिलाओं की गतिविधियां दिखाई दे रही हैं। पीड़िता ने थाना धामपुर में तहरीर देकर मुकदमा दर्ज करने, सीसीटीवी फुटेज के आधार पर संदिग्ध महिलाओं की पहचान कराने तथा चोरी हुआ सामान बरामद कराने की मांग की है। अब पुलिस मामले की जांच में जुटी है। सवाल यह भी है कि क्या संदिग्ध महिलाएं पहले से ही दुकान और ग्राहकों पर नजर रखकर वारदात को अंजाम देने पहुंची थीं? फिलहाल इसका जवाब पुलिस जांच और सीसीटीवी फुटेज की पड़ताल के बाद ही सामने आएगा।

ठेले वाले से अभद्रता करना पड़ा भारी, हेड कांस्टेबल 374 राजीव कुमार निलंबित

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में आम जनता से अभद्र व्यवहार करने वाले पुलिस कर्मियों पर कार्रवाई का सिलसिला जारी है। पुलिस अधीक्षक अमरोहा लखन सिंह यादव ने ठेले वाले व्यक्ति से अभद्रता करने के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए यातायात पुलिस में तैनात हेड कांस्टेबल 374 राजीव कुमार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। बताया जा रहा है कि ड्यूटी के दौरान हेड कांस्टेबल द्वारा एक ठेले वाले के साथ अभद्र व्यवहार किया गया था, जिसका वीडियो/शिकायत उच्च अधिकारियों तक पहुंची। मामले को गंभीरता से लेते हुए एसपी ने तत्काल निलंबन की कार्रवाई की है। साथ ही प्रकरण में हेड कांस्टेबल के विरुद्ध विभागीय जांच के आदेश भी जारी किए गए हैं। जांच में दोषी पाए जाने पर और भी कठोर कार्रवाई हो सकती है। इस संबंध में पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव ने स्पष्ट कहा है कि पुलिस विभाग में लापरवाही, अनियमितता और आम जनता के साथ अभद्रता करने वाले किसी भी कृत्य को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सभी पुलिस कर्मियों को जनता से शालीनता व सम्मान के साथ पेश आने के निर्देश दिए गए हैं।

कान्हा जी की छठी पर नजीबाबाद में उमड़ा श्रद्धालुओं का जनसैलाब

भाजपा नेता ललित पाल के प्रयासों से हुआ भंडारे का आयोजन, जय श्री कृष्णा के जयकारों से गुंजायमान हुआ परिसर

बिजनौर/नजीबाबाद (सब का सपना):- नगर के मोटा आम स्थित प्रसिद्ध ब्राह्मण धर्मशाला में बुधवार को श्री कृष्ण जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में कान्हा जी की छठी का पावन पर्व अत्यंत धूमधाम, अपार श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर भाजपा (किसान मोर्चा) के नगर अध्यक्ष व समाजसेवी ललित पाल के विशेष मार्गदर्शन एवं क्षेत्रवासियों के आपसी सहयोग से भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुँचकर प्रसाद ग्रहण किया। भगवान श्री कृष्ण के बाल स्वरूप के विशेष पूजन-अर्चन और मनमोहक श्रृंगार के साथ हुई। भक्तिमय माहौल में महाआरती उतारी गई, जिसके बाद पूरा धर्मशाला परिसर भगवान श्री कृष्ण के जयकारों से गूंज उठा। महाआरती के उपरांत ललित पाल एवं अन्य गणमान्य अतिथियों ने श्रद्धालुओं को स्वयं अपने हाथों से प्रेमपूर्वक प्रसाद वितरित किया। कान्हा जी की छठी के इस पावन उत्सव में ललित पाल की सक्रिय भूमिका, निष्काम सेवा भावना और समर्पण की उपस्थित जनसमूह ने भूरि-भूरि प्रशंसा की। शाम 6:00 बजे से प्रभु की इच्छा तक चले इस भंडारे में श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। आए हुए सभी श्रद्धालुओं ने पूर्ण अनुशासन के साथ प्रेम पूर्वक भगवान का प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए समाजसेवी ललित पाल ने कहा, "कान्हा जी की छठी का यह भंडारा प्रतिवर्ष इसी श्रद्धाभाव से आयोजित किया जाता है। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि हमारे क्षेत्र में सदैव सुख, शांति और समृद्धि बनी रहे, सभी नागरिक स्वस्थ रहें और आपस में संगठित होकर धर्म के मार्ग पर अग्रसर रहें। इस आयोजन को सफल और सुव्यवस्थित बनाने में पंडित कमलकांत शर्मा, श्रीमती कल्पना शर्मा, पूनम पाल, सीमा अग्रवाल, पार्वती देवी, प्रियांशी शर्मा, प्रीति, सौरभ अग्रवाल, सचिन अग्रवाल एवं निर्मल वशिष्ठ का विशेष और सराहनीय योगदान रहा।

कुएं की शिकायत पर पुलिस की जांच, मौके पर नहीं मिला कुआं

सहारनपुर में मस्जिद के नीचे कुआं होने की शिकायत का मामला, राजस्व विभाग भी करेगा जांच

कोतवाली देहात/बिजनौर (सब का सपना):- सहारनपुर क्षेत्र के गांव यमुनाखुर्द में मस्जिद परिसर के अंदर कथित रूप से कुआं होने की शिकायत के बाद पुलिस प्रशासन में हलचल मच गई। शिकायत मिलने पर पुलिस टीम ने सोमवार को मौके पर पहुंचकर मस्जिद परिसर तथा आसपास के क्षेत्र का निरीक्षण किया और ग्रामीणों से मामले की जानकारी ली। बताया गया कि रसूलपुर जाटन उर्फ लखवाला के ग्रामीणों ने एसपी बिजनौर से मुलाकात कर गांव यमुनाखुर्द में पानी पीने के पुराने कुएं को कथित रूप से कब्जा कर मस्जिद निर्माण कराने की शिकायत की थी। शिकायतकताओं का आरोप है कि निर्माण के दौरान कुएं को मस्जिद परिसर के अंदर ले लिया गया था और उसके ऊपर नमाज अदा करने वालों के लिए शौचालय व वायजखाना बनाए जाने की बात भी शिकायत में कही गई है। मामले की जानकारी मिलने के बाद कोतवाली देहात पुलिस की टीम सोमवार को मौके पर पहुंची। थाना प्रभारी निरीक्षक सुरेश सहारन और हल्का इंचार्ज परशुराम सिंह पुलिस टीम के साथ गांव पहुंचे तथा मस्जिद परिसर और आसपास के क्षेत्र का निरीक्षण किया। पुलिस के अनुसार प्राथमिक जांच में मौके पर कोई कुआं नजर नहीं आया। मामले की रिपोर्ट एसडीएम को सौंपे जाने के बाद राजस्व विभाग की टीम भी मौके पर पहुंचकर जांच करेगी। राजस्व टीम पुराने कुएं और भूमि की वास्तविक स्थिति की जांच कर शिकायत में लगाए गए आरोपों की सच्चाई स्पष्ट करेगी। सीओ नगीना राजेश सोलंकी ने बताया कि पुलिस टीम को मौके पर भेजकर जांच कराई गई है। शिकायतकर्ता का नाम मौके पर सामने नहीं आया। मामले की जांच जारी है और तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

ओम सरस्वती ज्ञान मंदिर पर छात्रा की टीसी बिगाड़ने का आरोप, अधिवक्ताओं ने मुख्यमंत्री से की शिकायत

फतेहपुर (सब का सपना):- शहर के प्रतिष्ठित निजी विद्यालय ओम सरस्वती ज्ञान मंदिर पब्लिक मान्यम पर एक छात्रा का भविष्य बर्बाद करने का गंभीर आरोप लगा है। डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन के महामंत्री अनुराग नारायण उर्फ पुरान मिश्रा और अधिवक्ता दीपक कुमार उर्फ बब्लू ने उच्चाधिकारियों को भेजे शिकायती पत्र में बताया है कि विद्यालय प्रशासन द्वारा छात्रा अंशी की टीसी में गलत जानकारी दर्ज कर दी गई

है। परिजनों का आरोप है कि गलती सुधारने के लिए प्रार्थना पत्र देने के बावजूद विद्यालय प्रशासन टीसी में सुधार नहीं कर रहा है, बल्कि छात्रा का प्रवेश ही रद्द करने का दबाव बनाया जा रहा है। इस मामले को लेकर अधिवक्ताओं ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव और शिक्षा निदेशक प्रयागराज को पत्र भेजकर पूरे मामले की जांच और तत्काल कार्रवाई की मांग की है। पत्र के साथ पूर्व में दिए गए मांग पत्रों की छायाप्रति भी संलग्न की गई है।

कीचड़ में फंसा वार्ड नंबर 14, डीएम से बोले लोग - रोड-नाली दे दो साहब, बच्चे स्कूल नहीं जा पा रहे

आबूनगर/फतेहपुर (सब का सपना):- आबूनगर शहर का वार्ड नंबर 14 आज भी विकास की राह देख रहा है। गोपाल नगर, राधा वाटिका के पीछे का हाल ऐसा है कि लोग सड़क पर नहीं तालाब में चलने को मजबूर हैं। थोड़ी सी बारिश में ही घुटनों तक जलभराव हो जाता है। रोड न होने से पानी की निकासी का कोई रास्ता नहीं है, नाली न होने से घरों का पानी भी सड़कों पर बहता है। स्थानीय निवासियों ने बताया कि

इसका सबसे ज्यादा खामियाजा छोटे स्कूली बच्चों को भुगतना पड़ रहा है। बच्चे कीचड़ में फिसलकर गिर जाते हैं, यूनिफॉर्म खराब हो जाती है, कई बार गोद में उठाकर स्कूल छोड़ना पड़ता है। बुजुर्गों और महिलाओं का घर से निकलना मुश्किल हो गया है।

परेशान होकर वार्ड के लोगों ने जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स से हाथ जोड़कर गुहार लगाई है कि जल्द मौके का निरीक्षण कर रोड और नाली का निर्माण कराया जाए।

कैंटर की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत, चाचा घायल

बुलंदशहर (सब का सपना):- जनपद के गांव दरियापुर के पास बुधवार को कैंटर ने बाइक सवार चाचा-भतीजे को टक्कर मार दी। हादसे में भतीजे की मौत हो गई, जबकि चाचा गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार सिकंदराबाद क्षेत्र के गांव लालपुर निवासी अनुज पुत्र धर्मवीर अपने चाचा बुद्ध पाल सिंह पुत्र मौजी राम के साथ बाइक से किसी कार्य से

बुलंदशहर आ रहे थे। दरियापुर के पास पहुंचते ही उनकी बाइक को एक कैंटर ने टक्कर मार दी। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची एंबुलेंस की मदद से दोनों को कल्याण सिंह मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने अनुज को मृत घोषित कर दिया। घायल बुद्ध पाल सिंह का उपचार जारी है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में रखवा दिया है। हादसे के बाद पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

जिला अस्पताल में दलाली और लापरवाही का आरोप

भाजपा किसान मोर्चा के पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष ने डीएम को सौंपा शिकायती पत्र

फतेहपुर (सब का सपना):- जिला राजकीय चिकित्सालय फतेहपुर में व्याप्त भ्रष्टाचार और अनियमितता को लेकर अब सत्ताधारी दल के नेता ने ही मोर्चा खोल दिया है। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा, कानपुर-बुंदेलखंड क्षेत्र के पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष संतोष सिंह राजू ने जिलाधिकारी फतेहपुर को शिकायती पत्र सौंपकर अस्पताल के डॉक्टरों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। बुधवार को डीएम को दिए गए पत्र में संतोष सिंह ने लिखा है कि जिला अस्पताल में डॉक्टर सरकार की नीतियों के विपरीत कार्य कर रहे हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि कल थाना हुसैनगंज के किशुनदासपुर निवासी पंकज पुत्र श्रीकृष्ण को गंभीर

आपात स्थिति में सदर अस्पताल लाया गया था। आरोप है कि ड्यूटी पर तैनात डॉक्टरों ने करीब 2 घंटे तक बिना किसी जांच के मरीज को बिठाए रखा। परिजनों के बार-बार आग्रह के बाद भी इलाज शुरू नहीं किया गया। शिकायत में कहा गया है कि अस्पताल में चक्कर काट रहे दलालों ने मरीज के परिजनों को प्राइवेट अस्पताल में इलाज के लिए प्रेरित किया। जब परिजनों ने संतोष सिंह से संपर्क किया और वे खुद जिला अस्पताल गए, तो एक डॉक्टर ने उनसे झगड़ा करते हुए कहा कि यहाँ कोई इलाज नहीं होगा।डिप्टी सीएमओ से शिकायत करने पर जब वह मरीज को देखने आए तो उनके आने पर ही इलाज शुरू हुआ, जबकि ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर ने मरीज को देखना तक उचित नहीं समझा। संतोष सिंह राजू ने पत्र में मांग की है कि 8 सितंबर 2026 की सायंकाल करीब 8 बजे ड्यूटी में कार्यरत रहे डॉक्टर के खिलाफ उचित विभागीय कार्रवाई की जाए और जिला चिकित्सालय को दलालों से मुक्ति दिलाई जाए।

इस शिकायती पत्र के बाद स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मचा हुआ है।

ट्यूबवेल से मोटर चोरी करने वाले दो शातिर चोर गिरफ्तार

बुलन्दशहर (सब का सपना):- जनपद के कोतवाली देहात पुलिस ने ट्यूबवेल से विद्युत मोटर चोरी करने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी की गई विद्युत मोटर भी बरामद की है। पुलिस के अनुसार, 8 सितंबर की रात ग्राम दरियापुर के जंगल में स्थित ट्यूबवेल से विद्युत मोटर चोरी की गई थी। मामले में मुकदमा दर्ज कर पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी थी। बुधवार, 9 सितंबर को पुलिस टीम

ने ग्राम दरियापुर के पास से अनस पुत्र शकील और हम्जा पुत्र अफसार, निवासी ग्राम दरियापुर, थाना कोतवाली देहात को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के कब्जे से चोरी की गई एक विद्युत मोटर बरामद हुई है। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा अपराध संख्या 688/2026, धारा 303(2), 317(2) बीएनएस के तहत कार्रवाई की है। पुलिस के मुताबिक दोनों आरोपियों को न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा रहा है।

गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक रविरतन सिंह, उपनिरीक्षक वेदप्रकाश, हेड कांस्टेबल संदीप कुमार, हेड कांस्टेबल विपिन जावला और कांस्टेबल गौरव मौर्या शामिल रहे।

बाढ़ से कटरी क्षेत्र में बिगड़े हालात, चारों तरफ पानी ही पानी

फतेहपुर (सब का सपना):- लगातार बढ़ते जलस्तर के चलते जिले के कटरी क्षेत्र में बाढ़ की स्थिति गंभीर होती जा रही है। मलवां विकासखंड की ग्राम पंचायत शिवराजपुर के साथ लगे मिश्रनखेड़ा, लालखेड़ा और बसंतखेड़ा समेत आसपास के कटरी इलाकों में चारों तरफ पानी भर गया है। बाढ़ का पानी बढ़ने से ग्रामीणों की मुश्किलें

लगातार बढ़ रही हैं। आवागमन प्रभावित होने के साथ ही लोगों को दैनिक जरूरतों के लिए भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों में बाढ़ को लेकर चिंता बनी हुई है। क्षेत्रवासियों ने प्रशासन से बाढ़ प्रभावित इलाकों में राहत, सुरक्षित आवागमन और जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की है।

यूपी में 2078 करोड़ का बड़ा निवेश, उन्नाव में लगेगी क्राउन होल्डिंग्स की पहली बेवरेज कैन फैक्ट्री

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश को देश का प्रमुख औद्योगिक एवं विनिर्माण केंद्र बनाने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों के सकारात्मक परिणाम अब धरातल पर दिखाई देने लगे हैं। प्रदेश की आकर्षक एफडीआई नीति-2023 के तहत वैश्विक पैकेजिंग कंपनी क्राउन होल्डिंग्स की भारतीय इकाई क्राउन पैकेजिंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने उन्नाव स्थित इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग एंड लॉजिस्टिक्स क्लस्टर आईएमएलसी में अपने पहले ग्रीनफील्ड एल्युमिनियम बेवरेज कैन विनिर्माण संयंत्र का भूमिपूजन किया। करीब 2,078.44 करोड़ के निवेश से स्थापित होने वाला यह संयंत्र भारत में क्राउन होल्डिंग्स की पहली विनिर्माण इकाई होगी। लगभग 40 एकड़ क्षेत्र में बनने वाला अत्याधुनिक प्लांट देश के तेजी से बढ़ते पेय पदार्थ उद्योग की पैकेजिंग जरूरतों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। 200 को प्रत्यक्ष और 1500 से अधिक लोगों को अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर परियोजना से 200 से अधिक लोगों

को प्रत्यक्ष और 1,500 से अधिक लोगों को अप्रत्यक्ष रोजगार मिलने की संभावना है। इसके अलावा लॉजिस्टिक्स, वेयरहाउसिंग, परिवहन रखरखाव और स्थानीय वेंडर नेटवर्क में भी रोजगार एवं कारोबार के नए अवसर पैदा होंगे। भूमिपूजन समारोह में औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने कहा कि प्रदेश में अब केवल औद्योगिक परियोजनाओं का पंजीकरण नहीं हो रहा, बल्कि उन्हें तेजी से धरातल पर उतारकर युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी सृजित किए जा रहे हैं। उन्नाव में क्राउन की परियोजना इसका उदाहरण है। उन्होंने कहा कि यह निवेश उत्तर प्रदेश के मजबूत औद्योगिक इकोसिस्टम पर अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के बढ़ते भरोसे को दर्शाता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के विजन को साकार करने की दिशा में प्रदेश तेजी से आगे बढ़ रहा है। 116 करोड़ कैन सालाना होगी शुरूआती क्षमता करीब 40 एकड़ में प्रस्तावित संयंत्र की प्रारंभिक स्थापित क्षमता 116.2 करोड़ कैन प्रतिवर्ष होगी, जिसे आगे बढ़ाकर 178.6 करोड़ कैन प्रतिवर्ष तक किया जा सकेगा। पहले वर्ष में करीब 67 करोड़ कैन के उत्पादन का अनुमान है, जो नौवें-दसवें वर्ष तक बढ़कर लगभग 170 करोड़ कैन प्रतिवर्ष हो सकता है। क्राउन पैकेजिंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड का गठन मार्च 2026 में हुआ है। यह क्राउन होल्डिंग्स की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है और इसका पंजीकृत कार्यालय लखनऊ में है। परियोजना का मूल्यांकन उत्तर प्रदेश की एफडीआई, फॉर्च्यून ग्लोबल 500 एवं फॉर्च्यून इंडिया 500 कंपनियों के लिए निवेश प्रोत्साहन नीति-2023 के तहत किया गया है। योगी सरकार की उद्योग अनुकूल नीतियों, बेहतर कनेक्टिविटी, मजबूत आधारभूत ढांचे और निवेशकों को मिलने वाली सुविधाओं से उत्तर प्रदेश में देश-विदेश की कंपनियों का भरोसा लगातार मजबूत हो रहा है। उन्नाव में क्राउन का निवेश इसी बदलते औद्योगिक परिदृश्य की बड़ी मिसाल है। इस तरह के बड़े निवेश से केवल एक नई औद्योगिक इकाई स्थापित नहीं हो रही, बल्कि उसके साथ एमएसएमई, लॉजिस्टिक्स, सप्लाई चेन, वेयरहाउसिंग और सेवा क्षेत्र में भी आर्थिक गतिविधियां बढ़ेंगी। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ने के साथ प्रदेश के औद्योगिक आधार को मजबूती मिलेगी।

दूध लेकर लौट रहे युवक की ट्रेन की चपेट में आने से दर्दनाक मौत, परिवार में मचा कोहराम

नजीबाबाद/जलालाबाद (सब का सपना):- बुधवार की सुबह जलालाबाद क्षेत्र में एक दर्दनाक हादसा हो गया, जहाँ ट्रेन की चपेट में आने से 25 वर्षीय युवक की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ जब युवक दूध लेकर अपने घर लौट रहा था। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई और पूरे गाँव में शोक की लहर दौड़ गई। जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान मोहम्मद आमिर (25 वर्ष), निवासी राहुखेड़ी कोरा राजारामपुर के रूप में हुई है। बुधवार सुबह लगभग 7 बजे आमिर राहुखेड़ी से दूध लेकर अपने घर की ओर आ रहा था। जलालाबाद रेलवे

ट्रैक पर खंभा संख्या 1498/18 के पास जब वह पटरी पार कर रहा था, तभी अचानक आई कोलकाता-जम्मू तवी एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आ गया। कटने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की खबर फैलते ही घटनास्थल पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर नजीबाबाद पुलिस मौके पर पहुँची और स्थिति का जायजा लिया। एसआई अनीस अहमद ने बताया कि पुलिस ने मौके पर पहुँचकर पंचनामा की कार्रवाई पूरी की। हालांकि, मृतक के परिजनों ने शव का पोस्टमार्टम या अन्य कानूनी कार्रवाई कराने से साफ इनकार कर दिया, जिसके बाद पंचनामा भरकर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। मृतक आमिर अपने पिता के साथ ठेले पर पायदान बेचने का काम करता था और अपने परिवार का मुख्य सहारा था। उसके परिवार में माता-पिता और एक छोटी बहन है। इसके अलावा उसके पिता की दूसरी पत्नी से दो बेटे और हैं। आमिर की अचानक हुई मौत से पूरे परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

घोषणा के एक साल बाद भी मदरसा शिक्षक कैशलेस इलाज से महरूम, मदद के लिए लगाई सीएम योगी से गुहार

लखनऊ। मुख्यमंत्री की घोषणा के एक साल बाद भी मदरसा शिक्षकों और कर्मचारियों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा नहीं मिली है। मदरसा शिक्षकों ने अब फिर से मुख्यमंत्री से न्याय की गुहार लगायी है। शिक्षक दिवस पर मुख्यमंत्री ने प्रकार के शिक्षकों को कैशलेस इलाज की सुविधा देने की घोषणा की थी। इसके बाद माध्यमिक शिक्षा विभाग ने अल्पसंख्यक कल्याण

विभाग से मदरसा शिक्षकों-कर्मचारियों की बिंदुवार सूचना मांगी थी। जिलों से आंकड़े जुटाकर शासन को उपलब्ध करा दिए गए। इसके बावजूद मामला आगे नहीं बढ़ा। जबकि माध्यमिक, बेसिक और संस्कृत शिक्षकों के लिए शासनादेश जारी हो गए। अब मदरसा शिक्षक संघ ने मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर कैशलेस चिकित्सा सुविधा दिलाने की मांग की है।

कानपुर में पहले दिन 250 खिलाड़ियों ने नेट्स पर में दिखाया दम, दो दिन UPCA की सीनियर चयन समिति चुनेगी खिलाड़ी

कानपुर। उप्र क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) की ओर से कमला क्लब में दो दिवसीय रणजी ट्राफी के ट्रायल में 250 खिलाड़ियों ने नेट्स पर दम दिखाया। कानपुर के 12 खिलाड़ियों के साथ लखनऊ, आगरा, मेरठ, वाराणसी, सहारनपुर, गाजियाबाद, प्रयागराज, ग्रेटर नोएडा समेत प्रदेश के 25 से ज्यादा जिलों के सीनियर खिलाड़ियों के प्रदर्शन को सीनियर चयन समिति के प्रमुख व पूर्व क्रिकेटर प्रवीन कुमार, रिजवान शमशाद व शशिकांत खांडेकर ने परखा। दो दिवसीय ट्रायल में बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को रणजी ट्राफी के चयन मैच और कैंप का हिस्सा बनाया जाएगा। जहां से उप्र रणजी टीम के लिए खिलाड़ियों की राह खुलेगी। बुधवार को कमला क्लब में पंजीकरण कराने के बाद नेट्स पर बारी-बारी बल्लेबाज, गेंदबाज और विकेट कीपिंग में खिलाड़ियों

के प्रदर्शन को देखा गया। सीनियर चयन समिति ने खिलाड़ियों को तीन ग्रुप में विभाजित कर खिलाड़ियों की क्षमता परखी। ट्रायल में कानपुर, मेरठ, लखनऊ, प्रयागराज, वाराणसी व सहानपुर के खिलाड़ियों ने दम दिखाया। ट्रायल में बल्लेबाजों के स्किल के साथ गेंदबाजों की धार व रफ्तार तथा विकेट कीपर की तेजी को प्राथमिकता दी गई। पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज प्रवीन कुमार ने तेज गेंदबाजों को सटीक लेंथ पर गेंदबाजी करने का टिप्स भी दिए। वहीं, पूर्व क्रिकेटर शशिकांत खांडेकर ने बल्लेबाजों के शाट चयन की कला को बारीकी से देखा। दो दिवसीय ट्रायल से करीब 90 खिलाड़ियों का चयन कर उन्हें चयन मैच में शामिल कराने की तैयारी है।

कानपुर से शामिल हुए खिलाड़ी रणजी ट्रायल में अमन सिंह चौहान, अंश तिवारी, सुधांशु चौरसिया, अरमान तिवारी, अमन यादव, सौरभ झा, साहुल वर्मा, मो. शारिम, आदित्य दीक्षित, राही प्रताप सिंह, अखिलेश यादव व नक्षत्र वीर सिंह शामिल हैं।

यूपी में संस्कृति उत्सव से जोड़े जाएंगे जेन-जी और जेन-अल्फा, मंत्री जयवीर सिंह ने की घोषणा

लखनऊ। पर्यटन और संस्कृति विभाग जेन-जी और जेन अल्फा को जोड़ने के लिए सभी जिलों में संस्कृति उत्सव का आयोजन करेंगे। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने निर्देश दिए हैं कि ह्यसंस्कृति उत्सवह्न में युवा पर्यटन क्लब और सांस्कृतिक क्लबों के माध्यम से स्कूल-कॉलेज के विद्यार्थियों, खासकर जेन-जी और जेन-अल्फा के युवाओं को नृत्य, नाटक और संगीत जैसी गतिविधियों से जोड़ा जाए। साथ ही प्रदेशभर में उभरती प्रतिभाओं की पहचान कर युवा कलाकारों के लिए नए अवसर तैयार किए जाएं। उन्होंने

17 सितंबर से दो अक्टूबर तक सेवा संकल्प अभियान चलाने के भी निर्देश दिए। इसके तहत ह्यनमो सेवा गाथा नुक्कड़ नाटकों का आयोजन होगा और चयनित स्मारकों एवं पर्यटन स्थलों पर लेजर शो आयोजित किए जाएंगे। बुधवार को पर्यटन भवन में आयोजित पर्यटन एवं संस्कृति विभाग की बैठक में मंत्री ने कहा कि यूपी में वर्ष 2025 में देश में सर्वाधिक घरेलू पर्यटक आए थे। अब विभाग प्रमुख पर्यटन स्थलों पर उपलब्ध सुविधाओं की मैपिंग करा रहा है। क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारियों को सड़क संपर्क, परिवहन सुविधाएं, प्रकाश व्यवस्था, यात्री शेल्टर, रैंप, हिंदी व अंग्रेजी में साइनेज, पर्यटक सुविधा केंद्र, पर्यटन कार्यालयों समेत अन्य सुविधाओं की जानकारी जुटाने के निर्देश दिए गए हैं। वासुदेव वाटिका का करीब 72 प्रतिशत काम पूरा यह जानकारी जिलेवार टूरिज्म मैट्रिक्स के रूप में एक समर्पित डैशबोर्ड पर दर्ज की जाएगी। इससे विभाग को प्रत्येक पर्यटन स्थल पर उपलब्ध सुविधाओं की स्पष्ट तस्वीर मिल सकेगी।

शरीर के 7 चक्र क्या हैं और सेहत पर उनका क्या असर पड़ता है?

ऐसा माना जाता है कि अगर ये चक्र सुसुप्त यानी सो रहे हैं तो आपका जीवन भी नीरस है। इसलिए परम आनंद के साथ मोक्ष प्राप्ति के लिए इनको जागृत करना बहुत जरूरी है। जागृत होने के बाद ये चक्र शरीर के साथ मन और आत्मा को किस तरह प्रभावित करते हैं, इसके बारे में इस लेख में हम विस्तार से बात करते हैं।

क्या हैं चक्र

चक्र एक संस्कृत शब्द है, जिसका अर्थ पहिया होता है। ये शरीर के अंदर स्थित वे बिंदु हैं, जिनसे शरीर को ऊर्जा मिलती है, ये सात प्रकार के होते हैं। ये विभिन्न अंगों तथा मन एवं बुद्धि के कार्य को सूक्ष्म-ऊर्जा प्रदान करते हैं। ये व्यक्ति की सूक्ष्मदेह से संबंधित होते हैं। इनको कुंडलिनी चक्र भी कहा जाता है।

मूलाधार चक्र

यह गुदा और लिंग के बीच चार पंखुड़ियों वाला आधार चक्र है। प्राणायाम करके, अपना ध्यान मूलाधार चक्र पर केंद्रित करके मंत्र का उच्चारण करने से यह जागृत होता है। इसका मूल मंत्र 'लं' है। धीरे-धीरे जब यह चक्र जागृत होता है तो व्यक्ति में लालच खत्म हो जाता है और व्यक्ति को आत्मीय ज्ञान प्राप्त होने लगता है। यह लालच को समाप्त करता है।

स्वाधिष्ठान चक्र

मूलाधार चक्र के ऊपर और नाभि के नीचे स्थित होता है, स्वाधिष्ठान चक्र, इसका संबंध जल तत्व से होता है। इस चक्र के जागृत हो जाने पर शारीरिक समस्या और विकार, क्रूरता, आलस्य, अविश्वास आदि दुर्गुणों का नाश होता है। शरीर में कोई भी विकार जल तत्व के ठीक न होने से होता है। इसका मूल मंत्र 'वं' है।

विशुद्ध चक्र

यह चक्र गले में रहता है। इसे जागृत करने के लिए व्यक्ति को कंठ पर ध्यान केंद्रित कर मूल मंत्र 'हं' का उच्चारण करना चहिए। इसके जागृत होने से व्यक्ति अपनी वाणी को सिद्ध कर सकता है। इस चक्र के जागृत होने से संगीत विद्या सिद्ध होती है, मस्तिष्क अधिक क्रियाशील हो जाता है और सोचने समझने की शक्ति बेहतर हो जाती है।

मणिपूर चक्र

यह नाभि से ऊपर होता है। यौगिक क्रियाओं से कुंडलिनी जागरण करने वाले साधक जब ऊर्जा मणिपूर चक्र में जुटा लेते हैं, तो वो कर्मयोगी बन जाते हैं। यह प्रसुप्त पड़ा रहे तो लालच, ईर्ष्या, चुगली, लज्जा, भय से मन प्रभावित होता है। इसके जागृत होने से ये विकृतियां समाप्त हो जाती हैं।

सहस्रार चक्र

सहस्रार चक्र व्यक्ति के मष्तिष्क के मध्य भाग में होता है। बहुत कम लोग होते हैं जो इसको जागृत कर पाते हैं, चूंकि इसे जाग्रत करना बहुत मुश्किल काम है। इसको जाग्रत कर व्यक्ति परमानंद प्राप्त करता है और सुख-दु:ख का उस पर असर नहीं होता है।

अनाहत चक्र

यह चक्र व्यक्ति के सीने में रहता है। इसको जागृत करने हृदय पर ध्यान केंद्रित कर मूल मंत्र 'यं' का उच्चारण करना चाहिए। यह जागृत होते ही बहुत सिद्धियां प्राप्त होती है। यह सोता रहे तो कपट, तनाव, अहं यानी मोह और अहंकार से मनुष्य भरा रहता है।

आज्ञा चक्र

आज्ञा चक्र भ्रू मध्य अर्थात दोनों आंखों के बीच में केंद्रित होता है। इस चक्र को जागृत करने के लिए व्यक्ति को मंत्र '' का जाप करना चाहिए। इसके जाग्रत होने से इंसान को आत्म ज्ञान प्राप्त होता है।

रेसिपी

ब्लैक करंट शीर

सामग्री

- बटर/मक्खन: 2 टेबलस्पून
- 1/4 कप सेवईं: 2 टेबलस्पून
- चीनी: 1/2 कप ■ दूध: 3 कप
- किशमिश: 2 टेबलस्पून
- खजूर कटे हुए: 2 टेबलस्पून
- चिरौंजी: 1 टीस्पून ■ इलायची पाउडर: 1/2 टीस्पून ■ गुलाब जल: 2 टेबलस्पून
- ब्लैककरंट छोटे टुकड़ों कटें (फालसेब) : 1/4 कप
- इलायची पाउडर: एक चुटकी

विधि

सबसे पहले नॉनस्टिक तवे में बटर डालकर धीमी आंच पर गर्म करें। इसके बाद सेवई डालें और सुनहरा होने तक भून लें। सेवई के सुनहरी होने के बाद दूध डालकर एक से दो उबाल आने तक पकाएं। इसके बाद चीनी डाल दें, साथ ही साथ ड्राई फ्रुट्स और किशमिश डालकर अच्छे से मिला लें और 3 से 4 मिनट तक पकाएं। तय समय बाद खजूर, चिरौंजी, इलायची पाउडर और गुलाब जल डालकर 1 से 2 मिनट तक ढककर पकाएं। अगर शीर खुरमा ज्यादा गाढ़ा हो जाए तो थोड़ा गर्म पानी मिला लें। तय समय बाद आंच बंद कर लें। तैयार शीर खुरमा को कटोरी में डाल लें। इसमें चुटकीभर इलायची पाउडर और ब्लैककरेंट/फालसेब डालकर अच्छे से मिलाएं और सर्व करें।

दही पराठा

सामग्री

- आटा: 2 कप ■ दही: 1 कप
- पुदीना: एक मुट्ठी ■ हल्दी: 1/4 टीस्पून
- धनियापत्ती: 1/2 मुट्ठी ■ घी: 1/2 कटोरी
- 1 प्याज, बारीक कटा ■ अजवाइन: 1/4 टीस्पून ■ 3 हरी मिर्च बारीक काटी ■ 1/2 छोटी कटोरी दाल ■ नमक: स्वाद के अनुसार ■ पराठा सेंकने के लिए तेल ■ जरूरत के अनुसार पानी

विधि

सबसे पहले पुदीना-धनियापत्ती का धोकर बारीक काट लें। एक बर्तन में आटा लेकर प्याज, अजवाइन, हरी मिर्च, हल्दी, नमक और 3-4 चम्मच घी डालकर मिक्स करें। इसमें पुदीना-धनियापत्ती, दही और दाल डालकर आटा तैयार करें। तैयार आटे पर तेल लगाकर 10 मिनट रख दें। फिर से आटे को गूंद लें। एक प्लेट पर पलथन/सूखा आटा रख लें। आटे की बराबर लोइयां काट लें। एक लोई लेकर रोटी जैसे बेल लें। इस पर घी लगाएं और सूखा आटा लगाकर आधा मोड़ दें। इस हिस्से पर भी घी और सूखा आटा छिड़ककर मोड़ दें। इसे पराठे को बेलकर चौड़ा कर लें। मीडियम आंच पर तवा गर्म करें। इस पर पराठा डालकर दोनों तरफ सेंक लें। तैयार दही पराठा चटनी-अचार के साथ खिलाएं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। किसी अपने की सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-2-3-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। कार्यक्षेत्र में विवाद बढ़ेगे। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। किसी का अभद्र व्यवहार खिन्नता व तनाव बढ़ायेगा। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभांक-5-7९-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग है। शुभांक-2-5-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। संतान की उन्नति के योग है। शुभांक-2-6-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): व्यर्थ की भाग-दौड़ से बचें। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। आवेश में आना आपके हित में नहीं होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। पारिवारिक विवाद टाले। शुभांक-1-3-4

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-4-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। बनते हुए कार्यों में बांधा आएगी। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): आर्थिक उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। रोजगार में तरक्की मिलेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। शत्रुओं की पराजय होगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होंगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। शुभांक-3-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): उच्च मनोबल रखकर कार्य करें, सफल होगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-2-4-6

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): आत्मीय जनों से मिलन होगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। शुभांक-6-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): घर-परिवार में प्रसन्नता व सहयोग का वातावरण बनेगा। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-2-4-5

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): शांतिपूर्वक नित्य कार्य करे। संतान की प्रगति से संतोष होगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ में समय व्यतीत होगा। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते है। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। पारिवारिक तनाव, अलगाव का सामना करना पड़ सकता है। शुभांक-1-3-5

काकुरो पहेली - 4004

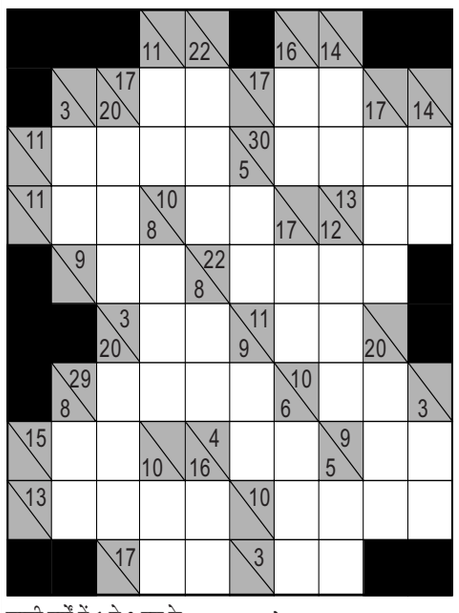

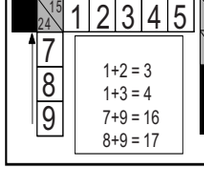

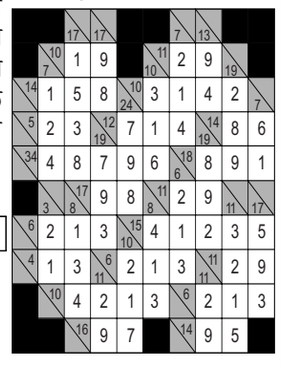

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

काकुरो - 4003 का हल

हंसी के फूव्वारें

तीन गप्पी ट्रेन में यात्रा करते हुए गप्पें हांक रहे थे. एक बोला-मैं आजमगढ़ का लखपति हूँ, दूसरा बोला-मैं शामगढ़ का करोड़पति हूँ, तीसरा बोला-भईया मैं तो सिर्फ अपनी पत्नी का पति हूँ.

□ □ □

मालिक: (नौकर से) तुमने पत्र-पेटिका में पत्र डाल दिया ?

नौकर: नहीं हुजूर.

मालिक: क्यों नहीं डाला ?

नौकर: कैसे डालता ? हर पत्र-पेटिका पर ताला लगा था.

□ □ □

एक रोज बादशाह अकबर ने बीरबल से कहा, जिन लोगों के नाम के साथ वान हो होता है वो आमतौर पर अच्छे आदमी नहीं होते, मसलन पीलवान,दरवान, वगैरह वगैरह.

बीरबल ने फौरन जवाब दिया जी हां मेहरवान.

□ □ □

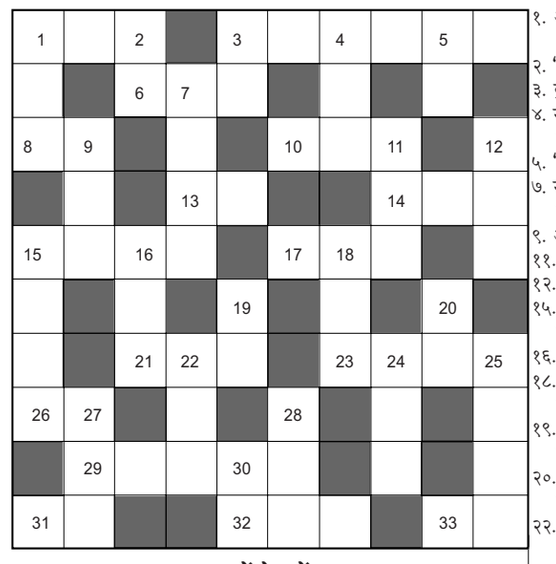

प्राध्यापक: कला से किसे-किसे प्यार है खड़े हो जायें. सारे के सारे विद्यार्थी खड़े हो गये. सिर्फ एक विद्यार्थी बैठा रहा.

प्राध्यापक बोले: तुम्हें कला से प्यार नहीं. विद्यार्थी ने उत्तर दिया, कला मेरी बहन का नाम है. मुझे तो सिर्फ कमला से प्यार है.

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 4004

बायें से दायें:-

१. अजय देवगन, उर्मिला, महिमा की 'चुराओ ना दिल' गीत वाली फिल्म-३
३. 'प्रेमी आशिक आवारा' गीत वाली अजय देवगन, मधु की फिल्म-२,२,२
६. जिमी शेरगिल, ऋशिता की 'आँखें भी होती हैं' गीत वाली फिल्म-३
८. 'सरकी चुनरिया रे' गीत वाली अभिषेक, भूमिका की फिल्म-२
१०. शत्रुघ्न सिन्हा, श्रीदेवी की 'कोई मर्द ना ऐसा' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'क्यूं मेरा दिल' गीत वाली करण नाथ, मनीषा, नतान्या की फिल्म-२
१४. सनी देओल, फरहा की 'रूत पिया मिलन की आई' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'तेरी निगाहों पें मर' गीत वाली महमूद, विजयलक्ष्मी की फिल्म-४
१७. अक्षय, सुनील, करिश्मा, सोनाली की 'तेरा ये देख' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'जिस दिल में बसा था' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पान की फिल्म-३
२३. शशिकपूर, शर्मिला की 'वो तेरे प्यार का गम' गीत वाली फिल्म-२,२
२६. फिल्म 'परिचय' में जीतेंद्र के साथ नायिका कौन थी-२
२९. 'मेरे प्यार की आवाज' गीत वाली विनोद खन्ना, नीतू सिंह की फिल्म-५
३१. 'महबूब की मेहंदी' में राजेशखन्ना के साथ नायिका कौन थी-२
३२. जीतेंद्र, श्रीदेवी, जयाप्रदा की 'झोंपड़ी में चारपाई' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'ई है बंबई नगरिया' गीत वाली अमिताभ, जीनत की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, संजयदत्त, अक्षय खन्ना, अमृताराव की आगामी नई फिल्म-३
२. 'करीब' में बॉबी की नायिका -२
३. कुमार गौरव, माधुरी की फिल्म-२
४. सलमान, संजयकपूर, शिल्पा शेट्टी की 'अरे बाब' गीत वाली फिल्म-३
५. 'इश्क समंदर' गीत वाली फिल्म-२
७. संजयकपूर, प्रिया गिल, सुष्मिता की 'होश ना खबर' गीत वाली फिल्म-२,२
९. अमिताभ, संजीव, ऋषि, हेमा की फिल्म-३
११. 'प्यार करना नही' गीत वाली फिल्म-३
१२. किशोरकुमार, मधुबाला की फिल्म-३
१५. राजेद्रकुमार, वहीदा की 'जंगल में मोर नाचा' गीत वाली फिल्म-४
१६. 'आवारा' की नायिका कौन थी-३
१८. 'तुम्हें जिंदगी के' गीत वाली धर्मेन्द्र, मीनाकुमारी की फिल्म-३
१९. विक्रम, लक्ष्मी की 'माई हार्ट इज बीटिंग' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'दिलवालों के दिल का' गीत वाली फिल्म-२
२२. कमल हासन, शाहरूख, रानी की फिल्म-१,२
२४. 'पैसे बिना प्यार' गीत वाली फिल्म-३
२५. मिथुन, काजल किरण की 'तेरे नाम का दिवाना' गीत वाली फिल्म-४
२७. ऋषिकपूर, माधुरी की फिल्म-३
२८. रेमो फर्नांडीस के गीत 'देखो देखो ये है जलवा' गीत वाली फिल्म-३
३०. अमिताभ, गोविंदा, किमी की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4003

सूडोकु - 4004

9		2		4	1	7		
1						6		
5	7	3	2				4	
				9	4	8		
4		7				9		6
		5	8	3				
	3				6	5	9	1
		6						7
		9	1	8		2		4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4003 का हल

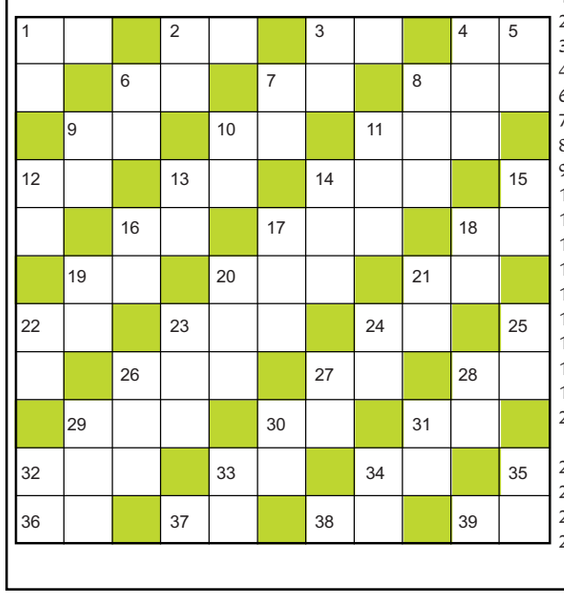

5	4	9	1	8	3	2	6	7
1	2	6	4	9	7	3	5	8
3	8	7	5	2	6	1	4	9
8	7	1	3	4	2	6	9	5
9	5	3	6	1	8	7	2	4
2	6	4	7	5	9	8	1	3
4	3	5	2	7	1	9	8	6
6	9	2	8	3	4	5	7	1
7	1	8	9	6	5	4	3	2

शब्द पहेली -4004

बाएँ से दाएँ

1.बरस,वर्ष-2
2.आफत,मुसीबत-2
3.यमराज-2
4.तीर, बाण-2
6.आनेवाला दिन-2
7.उत्साह-2
8.उचित, सही-3
9.बंधन-2
10.बाण-2
11.उपवन, जंगल-3
12.सरिता-2
13.शिविर, तंबू-2
14.रुई साफ करना-3
16.फंदा, पाश-2
17.भीरु, डरपोक-3
18.तालाब -2
19.सम्मान-2
20.पासों फैंक कर भविष्य देखने की विद्या-3
21.श्याम,काले रंग का-2
22.देह, तन, बदन-2
23.चुनना, छांटना-3
24.रघुवीर, सियावर-2
26.जलजला-3
27.कोलाहल-2
28.अवरोध-2
29.दलदल-3
30.पत्नी का भाई-2
31.रिवाज, रस्म-2
32.कक्ष, रूम-3
33.गधा, गर्दभ-2
34.जनकपुत्री-2
36.वोट, राय-2
37.विजय-2
38.मां का भाई-2
39.मूल्य-2

ऊपर से नीचे

1.परछाई-2
2.दम, ताकत-2
3.यमराज-2
4.सोना, निद्रा लेना-3
5.धूल, मिट्टी-2
6.शारीरिक ऊंचाई-2
7.बल, दम-2
8.पहचानना-3
9.बंधक-2
10.मोमबत्ती (उर्दू-2)
11.विवश-3
12.भीगा हुआ-2
13.क्रीड़ा-2
14.सहमत-3
15.फंदा-2
16.प्राण-2
17.आकांक्षा-3
18.लॉक-2
19.प्रकृति,धन-2
20.धावक-3
21.कार्य-2
22.सवारी गाड़ी-2
23.जंगल-3
24.झगड़ा-2
25.सरल-2
26.कूड़ा-3
27.अंगारा-2
28.वार्तालाप-2
29.दाम, मूल्य-3
30.सारांश-2
31.खाली-2
32.थोड़ा-2
33.पत्र, चिट्ठी-2
34.हद-2
35.बल, ताकत-2

शब्द पहेली -4003 का हल

अक्षरा सिंह ने आम्रपाली के बयानों पर दी प्रतिक्रिया

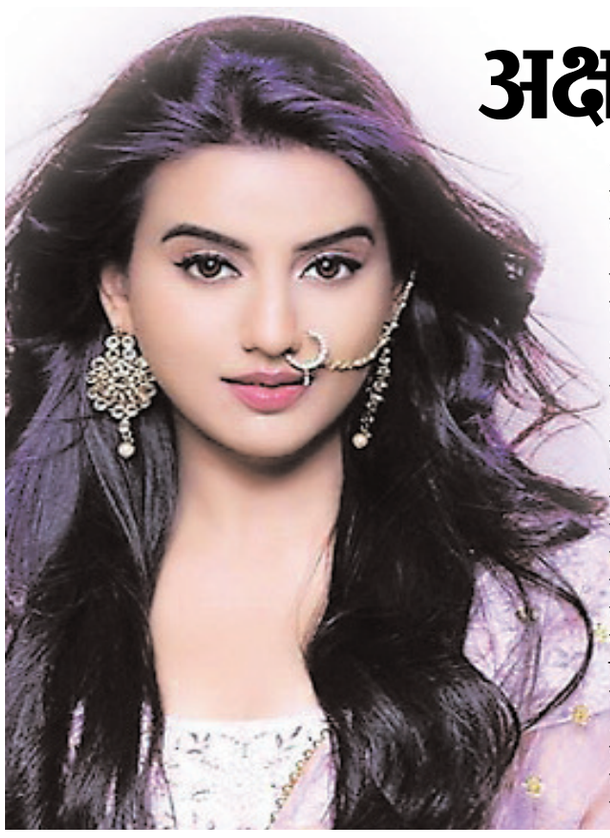

भोजपुरी एक्ट्रेस अक्षरा सिंह एक बार फिर आम्रपाली दुबे के साथ अपने पुराने रिश्ते और पवन सिंह से जुड़े विवाद को लेकर चर्चा में हैं। आम्रपाली दुबे ने हाल ही में शो 'भोजपुरी बवाल' में दावा किया था कि जब अक्षरा के मुश्किल दौर में इंडस्ट्री का एक बड़ा हिस्सा उनसे दूरी बना रहा था, तब उन्होंने खुलकर उनका साथ दिया था। आम्रपाली ने कहा कि अगर अक्षरा के साथ खड़े होने की वजह से पवन सिंह उनसे नाराज होते या उनके साथ काम नहीं करना चाहते, तो उन्हें इसकी परवाह नहीं थी। अब अक्षरा सिंह ने आम्रपाली के इन बयानों पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि वह किसी की मदद या अपने रिश्तों का हिसाब लेकर मीडिया के सामने नहीं बैठना चाहतीं। यह बहुत पुरानी बात है और अब इसे बार-बार सामने लाने की जरूरत नहीं है। अक्षरा ने कहा, ''मैं इस बारे में कोई लिस्ट लेकर नहीं बैठी हूं कि मीडिया में आकर यह बताऊं कि मैंने क्या किया, किसने क्या किया या उसने क्या किया। हर इंसान की गरिमा होती है और मुझे लगता है कि हमें इसे मनोरंजन का साधन नहीं बनाना चाहिए। मैं इस बारे में बार-बार क्या ही बोलूं, यह तो बहुत पुरानी बात हो चुकी है। मुझे इन सब बातों पर हंसी आती है। अब यह बात नहीं निकलनी चाहिए। इस बात को जमाना हो गया है।'' अक्षरा ने खास तौर पर आम्रपाली के उस बयान पर भी बात की, जिसमें उन्होंने कहा था कि अक्षरा ने बाहर आकर यह कहा कि इंडस्ट्री में किसी ने उनका साथ नहीं दिया, जबकि वह मुश्किल समय में उनके साथ थीं। अक्षरा ने कहा, ''आम्रपाली को मेरी किसी बात से तकलीफ हुई थी, तो उन्हें सीधे फोन करके पूछना चाहिए था। अगर किसी बात को लेकर गलतफहमी थी, तो दोनों के बीच बातचीत से उसे साफ किया जा सकता था। अब वह किसी एक बात को लेकर रो रही हैं। मुझे इस बारे में इतनी जानकारी नहीं है कि वे वास्तव में किस बात को लेकर रो रही हैं। मुझे अभी तक यह भी समझ में नहीं आया है कि आखिर क्या बात हुई है?''

इस पूरे मामले की शुरुआत आम्रपाली दुबे के 'भोजपुरी बवाल' में दिए बयान से हुई। शो में होस्ट शुभंकर मिश्रा ने उनसे सवाल किया था कि उन पर आरोप है कि उन्होंने अक्षरा को छोटी बहन माना, उनके साथ तस्वीरें शेयर कीं, लेकिन जब अक्षरा मुश्किल दौर से गुजर रही थीं, तब वह उनके साथ खड़ी नहीं हुईं।

इसके जवाब में आम्रपाली ने कहा था कि उन्होंने उस समय अक्षरा का साथ दिया था, जब इंडस्ट्री में यह चर्चा थी कि अक्षरा के साथ नजर आने पर पवन सिंह उनके साथ काम करना बंद कर देंगे। इसके बावजूद उन्होंने अक्षरा के साथ खड़ा होना चुना। उस दौर में जब लोग अक्षरा के साथ तस्वीरें तक खिंचवाने से बच रहे थे, तब मैं उनके साथ खड़ी थी। पवन सिंह के नाराज होने की भी मैंने परवाह नहीं की। जब अक्षरा ने बाद में कहा कि इंडस्ट्री में किसी ने उनका साथ नहीं दिया, तो मुझे बहुत दुख हुआ। अक्षरा को मैंने छोटी बहन दिल से माना था और उनकी बातों ने मुझे चोट पहुंचाई। आम्रपाली ने दावा किया कि पवन सिंह की शादी वाले दिन उन्होंने अक्षरा के लिए उनसे फोन पर बहस की थी। वह पवन से पूछ रही थीं कि वह ऐसा क्यों कर रहे हैं?

दरअसल, अक्षरा सिंह और पवन सिंह का रिश्ता लंबे समय तक भोजपुरी इंडस्ट्री में चर्चा का विषय रहा। दोनों के रिश्ते के टूटने के बाद अक्षरा ने पवन पर कई गंभीर आरोप लगाए थे। साल 2019 में उन्होंने पवन सिंह के खिलाफ पुलिस में शिकायत भी दर्ज कराई थी, जिसमें धमकी देने और सोशल मीडिया पर उनकी छवि खराब करने जैसे आरोप लगाए गए थे। ब्रेकअप के बाद अक्षरा ने कई मौकों पर यह भी कहा था कि उन्हें इंडस्ट्री में अकेलेपन और मुश्किल दौर का सामना करना पड़ा। वहीं आम्रपाली और अक्षरा की दोस्ती को लेकर भी समय के साथ कई तरह की बातें सामने आती रहीं।

इसी बीच अक्षरा अपने काम को लेकर भी चर्चा में हैं। वह हिंदी फिल्म 'ईठा' में श्रद्धा कपूर के साथ नजर आएंगी। अक्षरा ने कहा, ''इस फिल्म का हिस्सा बनने पर मैं बेहद खुश हूं ।

'वाइब': अनचाहे मिशन पर निकलेंगे कुणाल खेमू

कुणाल खेमू ने अपनी अगली फिल्म 'वाइब' का ट्रेलर रिलीज किया। यह एक एक्शन कॉमेडी फिल्म है जिसमें खुद कुणाल भी प्रीति जिंटा और स्पर्श श्रीवास्तव के मुख्य किरदारों में है। फिल्म 'वाइब' के ट्रेलर में कॉमेडी और एक्शन दोनों ही सामान्य मात्रा में परोसे गए हैं। कुणाल खेमू की कॉमेडी और स्पर्श श्रीवास्तव के सुलझे हुए अभिनय के साथ अभिनय करते नजर आएंगे। यह फिल्म फैंस का मनोरंजन कर सकती है। फिल्म वाइब के 2 मिनट 44 सेकेंड के ट्रेलर में रोमांस और कॉमेडी को दिखाया गया है। ट्रेलर में बताया कि कहानी दो दोस्तों हार्दिक (कुणाल खेमू) और बग्स (स्पर्श श्रीवास्तव) की है। बेपरवाह जिंदगी जीने वाले इन दोस्तों को पता चलता है कि देश एक बड़े खतरे का सामना करने वाला है। इस खतरे से निपटने के लिए दोनों को एक मिशन में शामिल किया जाता है, जिसका यह दोनों ही हिस्सा नहीं बनना चाहते। फिल्म में प्रीति जिंटा हार्दिक और बग्स की बॉस बनी हैं। वो भी इसमें एक्शन करती नजर आएंगी। दूसरी तरफ अभिनेत्री वंशिका धीर, कुणाल के साथ रोमांस करती दिखेंगी। इस ट्रेलर में कुणाल की रियल लाइफ सास और दिग्गज अभिनेत्री शर्मिला टैगोर की भी झलक है।

स्पाई वर्ल्ड में कॉमेडी का मसाला

'वाइब' के ट्रेलर में स्पाई वर्ल्ड से प्रेरित कहानी को कॉमेडी में लपेट कर दिखाया गया है। कुणाल के लिए यह दूसरी फिल्म है जिसका वह निर्देशन करेंगे। 'लापता लेडीज' में एक गंभीर किरदार निभाने के बाद स्पर्श श्रीवास्तव पहली बार कॉमेडी रोल में दिखाई देंगे। प्रीति जिंटा की तो 'बंटवारा 1947' के बाद यह रोल उनके लिए भी कुछ नया है। यह फिल्म 18 सितंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

शहनाज गिल से तुलना पर बोलीं लवप्रीत गिल

मेरी भी अपनी पहचान है

पंजाब सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री लवप्रीत गिल इन दिनों 'बिग बॉस-20' को लेकर सुर्खियों में चल रही हैं। अभिनेत्री का मानना है कि अगर वह बिग बॉस के घर जाती हैं तो दर्शक उनकी असली व्यक्तित्व को जान पाएंगे। जब आईएएनएस ने अभिनेत्री से बिग बॉस के घर जाने की वजह पूछी तो लवप्रीत गिल ने बताया कि न जाने की भी कोई वजह नहीं है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि एक कलाकार के तौर पर हम सभी को कुछ नया एक्सप्लोर करना चाहिए। बिग-बॉस एक ऐसा प्लेटफॉर्म है, जहां आप अपनी असली और बेबाक पर्सनालिटी दिखा सकते हैं।' अभिनेत्री ने बिग बॉस में दोस्ती बनाने को लेकर कहा, 'मैं वहां गेम खेलने जा रही हूं और मेरा पूरा फोकस गेम पर ही रहेगा। सब कुछ सिचुएशन पर निर्भर करता है। मैं सभी के साथ अच्छे संबंध बनाए रखूंगी।' शो के अंदर खाना बनाने से लेकर सारे काम करेंगे। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि खाना बनाना एक अच्छा काम है और हमारे पंजाब में इसे नेक काम भी बोला जाता है। मैं वहां बनाऊंगी भी और सभी को खिलाऊंगी भी। इसका गेम से कोई लेना-देना नहीं है।'

अभिनेत्री लव प्रीत गिल से एक और सवाल पूछा, 'आप बिग बॉस में पंजाबी एक्ट्रेस के तौर पर एंट्री करेंगी। शहनाज गिल से तुलना के बारे में आप क्या सोचती हैं?'

अभिनेत्री लवप्रीत गिल ने कहा, 'वह मेरी सीनियर आर्टिस्ट हैं और मेरी खुद की अपनी पहचान है। मैंने भी इंडस्ट्री को कुछ साल दिए हैं। मैं पब्लिक से रिक्वेस्ट करती हूं कि वे समझें कि मेरा अपना नाम है। मेरे परिवार ने मुझे मेरी पहचान दी है। प्लीज मुझे भी प्यार दें और हमारी तुलना न करें।' बिग बॉस-20 में जाने से पहले अभिनेत्री लवप्रीत का मुकाबला रिया अहीर से होगा। दरअसल, दोनों की एंट्री जनता की वोटिंग पर आधारित है। जनता जिसे ज्यादा वोट देगी उसी को बिग बॉस 20 के घर पर जाने का मौका मिलेगा।

हर प्रोजेक्ट में बेस्ट देने की कोशिश करती हूं

अभिनेत्री अश्मेता बख्शी इन दिनों टेलीविजन सीरीज '108 बेस हॉस्पिटल- उरी' में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने बताया कि उनकी अभिनय की दुनिया में उनका सफर रोलर-कोस्टर राइड की तरह रहा है। अभिनेत्री का मानना है कि जब आप किसी भी फील्ड में काम करते हैं, तो उतार-चढ़ाव होना आम बात है। उन्होंने बताया, 'मैंने बहुत सारे रोल किए हैं और एक एक्टर के तौर पर, मैं इतने अलग-अलग तरह के किरदार निभाकर खुद को खुशकिस्मत महसूस करती हूं। यह एक खूबसूरत सफर रहा है।' अभिनेत्री से ने सवाल किया, 'आपने फिल्म, वेब सीरीज और टेलीविजन में काम किया है, तो आपको इन मीडिया में क्या फर्क लगता है और आपको कौन सा माध्यम ज्यादा सही लगता है?' अभिनेत्री ने इस सवाल का जवाब देते हुए कहा, 'मीडिया कोई भी हो करनी तो आपको एक्टिंग ही है, हमें जो लिखा मिलता है बस उसी में बेस्ट देने की कोशिश करते हैं। ऐसा कभी नहीं होता कि अगर आप कोई फिल्म कर रहे हैं, तो आप ज्यादा मेहनत करेंगे और अगर आप कोई सीरियल कर रहे हैं, तो आप कम मेहनत करेंगे।' अभिनेत्री ने आगे कहा, 'मुझे लगता है कि मेकर्स को फर्क पता होता है। यह मेकिंग से आता है, चाहे वह डायलॉग्स में हो, किसी चीज को लिखने के तरीके में या खुद मीडियम में, लेकिन एक आर्टिस्ट के लिए, यह बस वह काम है जो वे कर रहे हैं।'

बिग बॉस 20: फोटोग्राफर्स पर क्यों भड़के सलमान खान

फैंस बेसब्री से सलमान खान के शो 'बिग बॉस 20' का इंतजार कर रहे हैं। शो प्रीमियर होने से पहले ही यह काफी चर्चा में है। इस बीच शो के होस्ट सलमान खान का एक नया वीडियो सामने आया है, जिसमें उनको पैपराजी पर नाराज होते हुए देखा जा सकता है।

क्यों नाराज हुए सलमान खान

'बिग बॉस 20' के प्रमोशन के लिए शूटिंग के दौरान एक पैपराजी ने सलमान खान को 'बाबा' कहकर बुलाया। इससे सलमान खान नाराज हो गए। उन्होंने पैपराजी को फटकार लगाते हुए कहा 'बाबा? ये तेरा काम नहीं है। मुझे कैमरा के आगे आने की कोई जरूरत नहीं है।'

वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि सलमान खान पैपराजी से परेशान होते हुए दिख रहे हैं। रियलिटी शो के 6 सितंबर को प्रीमियर से पहले उन्हें सेट पर देखा गया। शुरू में तो उन्होंने फोटोग्राफर्स के लिए पोज दिया, मगर बाद में बार-बार फोटो की रिक्वेस्ट से वे चिढ़ गए। शूटिंग के वायरल वीडियो में सलमान खान को सेट के पास फोटोग्राफर्स से बात करते हुए देखा जा सकता है। एक्टर ने उनसे स्टेज से कुछ दूरी बनाए रखने को कहा। जब रिक्वेस्ट आती रहीं, तो वे अपनी झुंझलाहट जाहिर करते दिखे।

सलमान खान 'बिग बॉस' के 20वें सीजन के होस्ट के तौर पर वापसी कर रहे हैं। इस हिंदी रियलिटी शो का प्रीमियर 6 सितंबर को होना है। इसमें माही विज, अर्शिफा खान, ईशा रिखी, रिया अहीर, काजी तौकीर और कनिका मान नजर आ सकते हैं।

सलमान खान का वर्कफ्रंट

सलमान खान की फिल्म 'सिकंदर' 30 मार्च 2025 को सिनेमाघरों में आई थी। इस फिल्म में सलमान खान ने रश्मिका मंदाना के साथ मुख्य भूमिका निभाई थी। जल्द ही सलमान खान फिल्म 'मातृभूमि' में नजर आने वाले हैं। इसमें उनके साथ चित्रांगदा सिंह अहम किरदार में होंगी।

अपनी आवाज से एक बार फिर दर्शकों का दिल जीतने के लिए तैयार हैं नीति मोहन

प्लेबैक सिंगर नीति मोहन अपनी सुरीली आवाज से एक बार फिर दर्शकों का दिल जीतने के लिए तैयार हैं। उनकी आवाज में रिकॉर्ड किया गया नया गीत 'माहिया' आने वाली वेब सीरीज 'द रिवॉल्यूशनरीज' में सुनाई देगा। यह गाना सीरीज की प्रेम कहानी को आगे बढ़ाते हुए उसके मुख्य किरदारों के बीच पनप रहे प्यार, अपनापन और गर्मजोशी को खूबसूरती से सामने लाता है। 'माहिया' में सीरीज के मुख्य किरदार सचिंद्र नाथ सान्याल और प्रतिभा लाहिड़ी के बीच पनपते रोमांस को दिखाया गया है। सचिंद्र नाथ सान्याल का किरदार रोहित सराफ निभा रहे हैं, जबकि प्रतिभा लाहिड़ी के किरदार में प्रतिभा रांटा नजर आएंगी। गाने में दोनों के बीच बढ़ते रिश्ते और एक-दूसरे के प्रति पैदा हो रहे खास एहसास को जगह दी गई है। 'माहिया' एक लव सॉन्ग है, जो उस खुशी को बयां करता है, जब जिंदगी में कोई ऐसा शख्स आता है, जो आपके लिए सबसे ज्यादा मायने रखता है। गीत के बोल बार-बार इसी भावना को दिखाते हैं कि प्यार करने वाले के लिए उसकी मोहब्बत ही सब कुछ होती है। इस गाने को आकाशदीप सेनगुप्ता ने संगीत दिया है। इसे नीति मोहन और तुषार जोशी ने अपनी आवाज दी है, जबकि इसके बोल टोलिया लवराज सिंह और गौरव चक्रवर्ती ने लिखे हैं। नीति मोहन ने इस गीत को लेकर अपने अनुभव साझा किए और कहा, ''माहिया' बहुत खूबसूरत और सुकून देने वाला गीत है। मुझे इसकी धुन और बोल में छिपी भावनाएं बेहद पसंद आईं। खास तौर पर यह बात अच्छी लगी कि गाने में शख्स उस महिला की यादों में खोया रहता है, जिससे वह प्यार करता है। वह महिला उसकी हर एहसास में है और गाने के जरिए वह उसे यह बताने की कोशिश करता है कि वह उसके लिए सब कुछ है।'' नीति ने आगे कहा, ''इस भावना में मुझे एक तरह की सच्चाई और सहजता महसूस होती है। प्यार का यह एहसास बिना किसी दिखावे के बहुत स्वाभाविक तरीके से सामने आता है। तुषार जोशी के साथ इस गीत को आवाज देना मेरे लिए काफी अच्छा अनुभव रहा। मुझे उम्मीद है कि श्रोता गाने की रोमांटिक धुन को पसंद करेंगे और इसे सुनते हुए जिंदगी के खूबसूरत प्यार भरे पल भी याद आएंगे।''

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।